News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-285
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

हमें हार नहीं माननी चाहिए और समस्या को हमें हराने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 19 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आरजी कर मामले में संजय रॉय दोषी करार

महिला प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में कोर्ट कल सुनाएगी सजा

कोलकाता। सियालदह सिविल और क्रिमिनल कोर्ट ने शनिवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में फैसला सुनाया। इस मामले के मुख्य आरोपी संजय रॉय को अदालत ने दोषी करार दिया। फैसला दोपहर 2:30 बजे सुनाया गया।

आरोपी संजय रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि उसे सोमवार को अदालत में बोलने का मौका दिया जाएगा। अदालत सोमवार को सजा सुनाएगी। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत में 11 नवंबर को मामले की सुनवाई शुरू हुई थी। कोर्ट के निर्देश पर इस मामले की जांच कर रही सीबीआई ने पहले ही आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। कोलकाता पुलिस ने सियालदह अदालत परिसर में प्रवेश को नियंत्रित करने और सभी उपस्थित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई बैरिकेड्स भी लगाए थे।

ऐसी चली थी मामले में कार्रवाई

-मामले की शुरूआत में जांच कर रही कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को रॉय को गिरफ्तार किया।

-इससे एक दिन पहले ही चिकित्सक का शव अस्पताल के सेमिनार रूम से बरामद किया गया था। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले को सीबीआई को सौंप दिया था।

-जांच एजेंसी ने आरोपी के लिए मृत्युदंड की मांग की थी।

-प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में 12 नवंबर को बंद कमरे में सुनवाई शुरू हुई और 50 गवाहों से पूछताछ की गई।

-सुनवाई 9 जनवरी को समाप्त हुई।

जज के सामने गिड़गिड़ाया संजय, बोला- मैंने रुद्राक्ष पहना है, ऐसा अपराध करता तो टूट गई होती माला

कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपी संजय रॉय लगातार यही कहता रहा कि उसे फंसाया जा रहा है। उसने कहा, असली अपराधी तो बाहर घूम रहा है। संजय रॉय ने कहा कि उसने रुद्राक्ष की माला पहन रखी है। इसलिए वह इस तरह का अपराध नहीं कर सकता। अगर उसने ऐसा किया भी होता तो उसकी माला ही टूट गई होती। एक दिन पहले तक वह लॉकअप में शांत था। उसने केवल अपने वकील से ही बात की। वहीं कोर्ट मे जज ने कहा, तुम्हें सजा जरूर मिलेगी। सोमवार को कोर्ट संजय रॉय की सजा का ऐलान करेगा। कोर्ट ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट से पता चलता है कि संजय रॉय इस अपराध में शामिल था। उसका डीएनए भी घटनास्थल पर पाया गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रोहित करेंगे कप्तानी, शमी की वापसी

मुंबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। 19 फरवरी से होने वाले इस टूर्नामेंट में टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति से जो टीम घोषित की है उसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को भी जगह दी गई है। बुमराह को भले ही टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनकी मौजूदगी फिटनेस हासिल करने पर निर्भर करेगी। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। चैंपियंस ट्रॉफी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप चरण में 12 मुकाबले होंगे जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं और दोनों के बीच मैच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। इसके बाद उसका पाकिस्तान से सामना होगा और फिर दो मार्च को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा।

एमपीपीएससी 2022 में देवास की दीपिका टॉपर

456 पदों के लिए हुई थी परीक्षा, टॉप टेन में 6 लड़कियां, 394 का सिलेक्शन

इंदौर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2022 के फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिए हैं। देवास की दीपिका पाटीदार ने परीक्षा में टॉप किया है। वहीं टॉप टेन में 6 लड़कियों ने जगह बनाई है। रैंकिंग में दीपिका के बाद आदित्य नारायण तिवारी, सुरभि जैन, महिमा चौधरी, धर्मप्रकाश मिश्रा, शानू चौधरी, स्वाति सिंह, उमेश अवस्थी, कविता देवी यादव और प्रत्यूष श्रीवास्तव का स्थान है। आयोग के ओएसडी डॉ.आर.पंचभाई ने बताया कि, राज्य सेवा परीक्षा 2022 का फाइनल रिजल्ट जारी किया है। एग्जाम के इंटरव्यू 11 नवंबर से 9 जनवरी 2025 तक आयोजित किए गए थे। आयोग की वेबसाइट पर रिजल्ट अपलोड किया गया है। उन्होंने बताया कि, 87-13 प्रतिशत फॉमूर्ले 394 कैंडिडेट्स का चयन हुआ है। इसमें कुल 456 सीटें थी। 52 सीटें 13 प्रतिशत में थी। 404 सीटें 87 प्रतिशत में थी, इसमें 10 सीटें खाली रही है।

मप्र में 7929 शिक्षकों की भर्ती, परीक्षा 20 मार्च से, 28 जनवरी से कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग में 7929 शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इनमें स्कूल शिक्षा विभाग में 7082 और जनजातीय कार्य विभाग में 847 पद शामिल हैं। परीक्षा 20 मार्च से दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 से 11 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। इस परीक्षा में 80 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। आवेदन प्रक्रिया 28 जनवरी से शुरू होगी, जो 11 फरवरी 2025 तक चलेगी। अभ्यर्थी 16 फरवरी तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 या 2023 में निर्धारित प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग और दिव्यांग अभ्यर्थियों को शैक्षणिक योग्यता में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

100 साल से हर कुंभ में शामिल हो रहे 128 साल के स्वामी शिवानंद

युवाओं को संतुलित जीवनशैली के लिए दिया संदेश

प्रयागराज। पद्मश्री से सम्मानित योग साधक स्वामी शिवानंद बाबा पिछले 100 साल से हर कुंभ (प्रयागराज, नासिक, उज्जैन, हरिद्वार) में शामिल हो रहे हैं। यह जानकारी उनके शिष्य संजय सर्वजाना ने दी। सेक्टर 16 में संगम लोअर मार्ग पर स्थित बाबा के शिविर के बाहर लगे बैनर में छपे उनके आधार कार्ड में उनकी जन्मतिथि आठ अगस्त, 1896 दर्ज है। इस तरह उनकी उम्र 128 साल है। हर रोज की तरह बृहस्पतिवार को सुबह वह अपने कक्ष में योग ध्यान में लीन थे और उनके शिष्य बाबा के बाहर आने का इंतजार कर रहे थे। बाबा शिवानंद ने युवा पीढ़ी को दिए अपने मैसेज में कहा कि युवाओं को सुबह जल्दी उठकर आधा घंटा योग करना चाहिए, संतुलित जीवनशैली अपनानी चाहिए और स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन टहलना चाहिए। बाबा के शुरूआती जीवन के बारे में पूछने पर बेंगलुरु से उनके शिष्य फाल्गुन भट्टाचार्य ने बताया कि बाबा का जन्म एक भिखारी परिवार में हुआ था। चार साल की उम्र में इनके मां बाप ने इन्हें गांव में आए संत ओंकारानंद गोस्वामी को सौंप दिया ताकि इन्हें खाना पीना तो मिल सके। उन्होंने बताया कि छह साल की उम्र में बाबा को संत ने घर जाकर अपने मां-बाप के दर्शन करने को कहा। लेकिन घर पहुंचने पर त्रासदीपूर्ण घटनाएं हुईं। घर पहुंचने पर बहन का देहांत हो गया और एक सप्ताह के भीतर एक ही दिन मां बाप दोनों चल बसे। भट्टाचार्य ने बताया, बाबा ने एक ही चिता में मां-बाप का दाह संस्कार किया।

सुपर लीग में शामिल शहरों को नए स्तर के स्वच्छता मापदंडों के आधार पर आंका जाएगा

सुपर स्वच्छता लीग में इंदौर शामिल, मुकाबला नवी मुंबई और सूरत से

इंदौर। इंदौर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की प्रक्रिया अब शुरू हो गई है। स्वच्छता सुपर लीग में इंदौर शामिल हो गया है। इंदौर का मुकाबला नवी मुबंई और सूरत से रहेगा। स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों के लिए इस साल अलग लीग रखी गई है। पिछले तीन वर्षों से कम से दम दो वर्षों में टॉप थ्री में आने वाले शहरों को इसमे जगह मिली है। इंदौर सात बार से पहले स्थान पर है, इसलिए इंदौर को सबसे पहले शामिल किया गया। इंदौर के अलावा 11 अन्य शहर भी स्वच्छता सुपर लीग में स्थान पा चुके हैं। केंद्रीय आवास व शहरी मंत्रालय ने स्वच्छता सर्वेक्षण के नौवें वर्ष के लिए टूलकीट जारी की है। सुपर लीग में शामिल शहरों को नए स्तर के स्वच्छता मापदंडों के आधार पर आंका जाएगा। इसके अलावा आबादी की पांच श्रेणी के हिसाब से शहरों को रखा गया है। उनके स्वच्छता सर्वेक्षण

का पैमाना अलग रहेगा। अलग-अलग श्रेणी के हिसाब से शहरों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों और पार्षदों को करेंगे सम्मानित महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि स्वच्छता के लिए बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों और पार्षदों को निगम सम्मानित करेगा। इसके अलावा छात्रों के लिए स्वच्छता परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। मेयर ने कहा कि आठवीं बार भी इंदौर सफाई में पहले स्थान पर रहेगा। कचरे के रिसायकल में भी इंदौर आगे है।

सूरत से इंदौर को कड़ी टक्कर इंदौर ने आठवीं बार फिर स्वच्छता रैंकिंग में पहला स्थान बरकरार रखने की तैयारी की है,लेकिन इस बार इंदौर को सूरत शहर से कड़ी टक्कर मिल रही है। 15 फरवरी तक देशभर के पांच हजार से ज्यादा शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू हो सकता है। इसमें इंदौर और सूरत भी शामिल है। इंदौर ने इस बार सफाई की दिशा में कोई स्वच्छता पाने के लिए बड़ा प्रोजेक्ट को नहीं लाया,लेकिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए नए वाहन खरीदे है। इंदौर की सफाई व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत भी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन और सेग्रिगेशन है।

महाकुंभ से यूपी की जीडीपी में एक फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी!

मांग और उत्पादन दोनों बढ़ने की संभावना

प्रयागराज। 45 दिन तक चलने वाले महाकुंभ के दौरान होने वाले कारोबार से न सिर्फ रोजगार और मुनाफे में बढ़ोतरी होगी बल्कि उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की वृद्धि हो सकती है।

आर्थिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया भर से आ रहे श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे खर्च से मांग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार में वृद्धि होगी और छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों की जेब में पैसा आएगा। यही नहीं, सरकार को भी इस आयोजन से बड़े पैमाने पर आय होगी, जिसका उपयोग प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में होगा और जीएसटी कलेक्शन में भी भारी उछाल देखने को मिलेगा। देश के मशहूर सीए और अर्थशास्त्री पंकज गांधी जायसवाल के अनुसार, इस बार के महाकुंभ के आंकड़े जो सरकार बता रही है उसके होने भर से ही नॉमिनल और रियल दोनों जीडीपी के आंकड़ों में एक प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। बतौर उत्तर प्रदेश सरकार देश विदेश से करीब 45 करोड़ लोग इस महाकुम्भ में आएंगे। वो काशी, अयोध्या, चित्रकूट समेत देश के कई हिस्सों में जाएंगे। यदि उनके घर से कुम्भ में आने से लेकर घर वापस आने तक का प्रति व्यक्ति औसत खर्च जोड़ लेंगे तो औसत करीब 10 हजार रुपए प्रति व्यक्ति हो सकता है।

ऐसे में यदि 45 करोड़ में इस दस हजार प्रति व्यक्ति खर्च का गुणा करेंगे तो यह करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपए होता है। इसे हम दस फीसदी अनुमान रिस्क के नाम पर थोड़ा कम चार लाख करोड़ ही मान लेते हैं तो भी यह अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए कमाल का आंकड़ा है। कुम्भ का अर्थशास्त्र तिमाही के आंकड़ों को तो मजबूत करेगा ही, साथ ही देश के वार्षिक राष्टीय जीडीपी को भी मजबूत करेगा और अर्थव्यवस्था को भी।

मिलेगा निवेश से कई गुना रिटर्न जायसवाल के अनुसार, सरकार का इस महाकुम्भ में हुए निवेश से कई गुना रिटर्न आ जाएगा। डबल इंजन की सरकार महाकुम्भ के आयोजन पर मिलकर करीब सोलह हजार करोड़ रुपए का खर्च कर रही है। अगर इसी को आधार मान लें तो सरकार की ही आय कई गुना हो जाएगी। मसलन अगर चार लाख करोड़ पर औसत जीएसटी का संग्रह निकालें तो यह करीब 50 हजार करोड़ के आसपास होगा। इस खर्च पर जो लोगों को आय होगी उस पर आयकर तथा अन्य सुविधाओं के अप्रत्यक्ष कर जोड़ दें तो यह आंकड़ा एक लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा, मतलब कई गुना आय तो सरकार को ही होगी। ये सारे वश्लेिषण और आंकड़े बताते हैं

देवी अहिल्या बाई फल एवं सब्जी थोक मंडी में किसानों को राहत, आठ साल से विवाद में उलझे थे किसान

कल से किसान आढ़तियों से भी कर सकेंगे सौदे

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मंडी बोर्ड भोपाल ने किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग मंजूर कर ऐच्छिक मंडी फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। सोमवार से किसान अपनी लहसुन की फसल सरकारी नीलामी के साथ ही आढ़तियों या कमीशन एजेंट के जरिए भी बेच सकेंगे।
मंडी बोर्ड के इस फैसले से इंदौर की देवी अहिल्या बाई फल एवं सब्जी थोक मंडी में किसानों को राहत मिली है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के 3 जनवरी 2024 के आदेश के अनुरूप लिया गया है, जिसमें स्पष्ट किया था कि मंडी के

नियमों में लहसुन को सब्जी की श्रेणी में रखा जाएगा। इस फैसले से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए विकल्प मिल गया है। दरअसल, दिसंबर में किसानों ने ऐच्छिक मंडी की मांग को लेकर चार बार मंडी नीलामी को बंद कर विरोध प्रदर्शन किया था। किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की थी। अब इस नए निर्णय से किसान और आढ़तिये दोनों खुश हैं।
मंडी व्यापारियों ने पुष्टि की है कि सोमवार से ऐच्छिक मंडी की व्यवस्था पूरी तरह से लागू हो जाएगी।

लहसुन को मसाले की श्रेणी में डाल दिया था
प्रदेश में लहसुन पर विवाद करीब आठ साल से चल रहा था। किसानों के संगठन के आवेदन पर मप्र मंडी बोर्ड ने 2015 में लहसुन को सब्जी की श्रेणी में शामिल कर लिया था। इससे किसानों को यह छूट मिल गई थी कि वो चाहे तो लहसुन को सरकारी बोली प्रक्रिया में बेचे या चाहे तो सब्जियों के साथ आढ़तियां या व्यापारियों के पास नीलामी करवा दे। लेकिन, इसके कुछ समय बाद ही कृषि विभाग ने इस आदेश को रद्द कर दिया और कृषि उपज मंडी समिति अधिनियम (1972) का हवाला देकर लहसुन को मसाले की श्रेणी में डाल दिया।

वर्ष 2016 में मंडी व्यापारी एसोसिएशन ने हाई कोर्ट का किया था रुख
2016 में मंडी व्यापारियों की एसोसिएशन हाई कोर्ट पहुंची। कोर्ट ने 2017 में लहसुन को सब्जी में माना और किसानों की मर्जी से नीलामी की छूट दी। इसी बीच एक व्यापारी ने पुनः विचार याचिका दायर की थी। मंडी बोर्ड भोपाल दिया आदेश मंडी बोर्ड भोपाल के आदेश प्राप्त हुए हैं। उसी के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

दो मंत्रियों ने अटकाए इंदौर भाजपा जिलाध्यक्ष के नाम

विजयवर्गीय चिंटू तो सिलावट अंतरदयाल के लिए अड़े

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। प्रदेश में भाजपा के जिला अध्यक्षों की कई सूची आ चुकी हैं, पर उसमें इंदौर के शहर और जिलाध्यक्ष के नाम नहीं आए। वरिष्ठ पदाधिकारियों की तमाम कोशिशों के बावजूद इंदौर के अध्यक्ष तय नहीं हो पा रहे हैं।
दरअसल इंदौर के दोनों मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट जिलाअध्यक्ष पद पर अपने समर्थक चाहते हैं। दोनों मंत्रियों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है और अपने समर्थकों को अध्यक्ष पद की कुर्सी पर देखने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। इस कारण शनिवार शाम तक भी सूची जारी नहीं हो पाई।
मंत्री विजयवर्गीय अपने खास समर्थक चिंटू वर्मा को रिपीट कराना चाहते हैं। वे वर्तमान में जिलाध्यक्ष हैं और सालभर पहले ही वे अध्यक्ष बने थे, क्योंकि पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सोनकर को सोनकच्छ से टिकट मिल गया था और वे चुनाव जीतकर विधायक बन गए। तुलसी सिलावट कलोता समाज के अंतरदयाल को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। उनके नाम पर विधायक उषा ठाकुर और मनोज पटेल भी राजी हैं।

शहर से ज्यादा माथपच्ची ग्रामीण के लिए
अंतरदयाल का नाम केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी आगे बढ़ाया है।
शहर से ज्यादा माथपच्ची वरिष्ठ पदाधिकारियों को ग्रामीण जिलाध्यक्ष तय करने में आ रही है। उधर इंदौर में वर्तमान अध्यक्ष गौरव रणदिवे फिर अध्यक्ष बनने के लिए भोपाल तक जोर लगा रहे हैं। मंत्री विजयवर्गीय ने दीपक जैन टीनू का नाम आगे बढ़ाया है। उनकी दूसरी पसंद सुमित मिश्रा है, जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के समय से भाजपा का काम कर रहे मुकेश राजावत को संगठन के कुछ नेता नगर अध्यक्ष की कुर्सी पर देखना चाहते हैं, लेकिन प्रदेश में सबसे ज्यादा घमासान इंदौर के दो पदों पर ही मचा है।

शहर से कुंभनगरी के लिए रोजाना चल रही हैं 25 से ज्यादा बसें

इंदौर से प्रयागराज की उड़ानें फुल, बस और ट्रेनों में भी भीड़

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के लिए इंदौर और मालवा निमाड़ से काफी लोग जा रहे है। इंदौर से प्रयागराज जाने वाली ट्रेन में यात्रियों को लंबी वेटिंग मिल रही है। इसके अलावा बसों का किराया भी आम दिनों की तुलना में ज्यादा है।
सबसे ज्यादा महंगा सफर इंदौर से प्रयागराज तक चलने वाली एलायंस एयर की उड़ान का है, जो इसी माह शुरू हुई है।यह इंदौर से प्रयागराज की एक मात्र सीधी उड़ान है, जो आमतौर पर खाली नहीं रहती है। शुक्रवार रात प्रयागराज की उड़ान में सिर्फ एक ही सीट खाली थी और उसका किराया 21 हजार रुपये था। एलायंस एयर ने प्रयागराज के लिए देश के 9 शहरों से विशेष उड़ान शुरू की है। इन 9 शहरों में इंदौर भी शामिल है।
70 सीटों वाला विमान में कंपनी को भरपूर यात्री मिल रहे है। किराया भी आम दिनों से दो-तीन गुना है। इस सीधी उड़ान के अलावा दिल्ली होकर भी यात्री प्रयागराज जा रहे है। इसे देखते हुए इंदौर से दिल्ली के लिए भी दो कंपनियों ने उड़ानें बढ़ाई है।
उधर इंदौर से प्रयागराज के लिए 25 से ज्यादा बसें भी रोज चल रही है। इंदौर से प्रयागराज की दूरी 900 किलोमीटर है और जाने में 12 से 15 घंटे का समय लगता है। बसों का किराया भी प्रति यात्री पंद्रह सौ से अठराह सौ हजार रुपये तक लिया जा रहा है, जबकि आम दिनों में एक हजार से बारह सौ रुपये तक किराया रहता है। ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण बसों की डिमांड भी बढ़ गई है। इंदौर से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में भी भीड़ है,क्योकि कई यात्री दिल्ली होकर प्रयागराज जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग और कर्ज के दबाव से परेशान होकर उठाया कदम

बेटी को बाहर भेजकर पिता ने कर ली आत्महत्या

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के गांधी नगर क्षेत्र में शुक्रवार को एक सिक्योरिटी गार्ड अर्जुन सोलंकी (35) ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले उसने अपनी 8 साल की बेटी को पैसे देकर घर से बाहर भेज दिया। बेटी जब वापस लौटी, तो उसने अपने पिता को गंभीर हालत में पाया और घबरा गई। पड़ोसियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
परिवार का कहना है कि अर्जुन ऑनलाइन गेमिंग और कर्ज के दबाव से परेशान था। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया और फिर खुद को चाकू से घायल कर लिया। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने कर्जदारों का उल्लेख किया है, जो

उसे लगातार परेशान कर रहे थे।

पहले भी की थी कोशिश
अर्जुन के बड़े भाई महेश ने बताया कि वह पहले आलोट में रिक्शा चलाता था और उस दौरान उसने करीब 10 लाख रुपए का कर्ज लिया था। यह कर्ज परिवार ने चुकाया। इसके बाद अर्जुन इंदौर आया और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने लगा। लेकिन यहां भी उसने 4-5 लाख रुपए का कर्ज ले लिया। कर्जदारों के लगातार दबाव और परेशानियों के कारण उसने यह कदम उठाया। महेश ने यह भी बताया कि दो महीने पहले अर्जुन ने आत्महत्या की कोशिश की थी। उसने अपने भाई को सुसाइड नोट और जहरीला पदार्थ खाते हुए वीडियो भी भेजा था। उस समय परिवार ने उसे समय रहते बचा लिया था।

पहले जहर खाया फिर चाकू मारे
घटना के दिन अर्जुन ने अपनी बेटी ईशिका को पैसे देकर बाहर भेज दिया और घर का गेट बंद कर लिया। इसके बाद उसने जहर खाया और खुद को चाकू से घायल कर लिया।
बेटी की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और तुरंत अर्जुन की पत्नी को फोन किया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस को घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में कर्जदारों का जिक्र मिला है, जो उसे लगातार परेशान कर रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान मालिक के बेटे पर आरोप, पिता बोले- बेटी की हत्या कर फंदे पर लटकाया गया

फंदे पर लटका मिला नाबालिग लड़की का शव

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। स्कीम नंबर 78 इलाके में एक 14 साल की नाबालिग लड़की की लाश फंदे पर लटकी हुई मिली। इस मामले को लेकर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन लड़की के पिता का दावा है कि उसकी बेटी की हत्या कर उसे फंदे पर लटकाया गया है।
मृतका पूर्णिमा पंवार, स्कीम नंबर 78 की निवासी थी, और उसका पोस्टमार्टम एमवाय अस्पताल में किया गया। मृतका के पिता जीवन पंवार ने बताया कि घटना के समय घर के दोनों दरवाजे खुले थे और उनकी बेटी अकेली थी। मां काम पर गई हुई थी। जीवन पंवार का आरोप है कि जिस मकान में वे किराए से रह रहे थे, वहां का मालिक का बेटा मानसिक रूप से बीमार है और उनकी बेटी को लगातार धमकाता था। मकान मालकिन भी उनसे विवाद करती थी।

जीवन का कहना है कि हम पहले भी कई बार उन्हें समझा चुके थे लेकिन वह हमारी बेटी को बहुत परेशान करते थे। जीवन ने कहा कि उनकी बेटी फांसी लगाने जैसा कदम नहीं उठा सकती, उसे मारा गया और फिर उसे फंदे पर लटका दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि जीवन पंवार के आरोप सही हैं या यह आत्महत्या का मामला है। आसपास के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं। दूसरी घटना में बाणगंगा पुलिस ने बताया कि न्यू दुर्गा नगर के निवासी अनुराग भदौरिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अनुराग रेडीमेड कॉम्प्लेक्स में तीन महीने पहले तक नौकरी करता था, लेकिन फिलहाल उसने नौकरी छोड़ दी थी। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। वहीं, बाणगंगा क्षेत्र के राम नगर में 55 वर्षीय सविता नामक महिला की घर में गिरने से मौत हो गई। दोनों मामलों के शवों का पोस्टमार्टम एमवाय अस्पताल में किया गया है।

यात्रा में भीड़ जुटाने के लिए कांग्रेसियों ने किए बड़े दावे, नेताओं ने तय किया- कौन कितनी गाड़ियां लाएगा

राहुल प्रियंका की यात्रा के लिए घर-घर न्योता देंगे कांग्रेसी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। 27 जनवरी को महू में आयोजित होने वाली जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा की तैयारी के लिए कल कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में जुटे कांग्रेसियों ने 250 गाड़ियों और 30 बस से भीड़ जुटाने के बड़े-बड़े दावे भी किए। यात्रा में भीड़ जुटाने के लिए कांग्रेसी घर-घर न्योता देंगे।
राहुल गांधी और प्रियंका गाधी की महू में आयोजित होने वाली यात्रा के लिए कल कांग्रेस की बैठक सज्जनसिंह वर्मा की अध्यक्षता में हुई। यात्रा की तैयारियों के लिए जुटे कांग्रेसियों ने महू में भीड़ जुटाने के लिए बड़े बड़े दावे किए,

जिसमें निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने 100 तो वहीं रीना बौरासी ने 150 गाड़ी से कांग्रेसियों को लाने की बात कही तो वहीं युवा नेता पिंटू जोशी भी पीछे नहीं रहे। वे भी 30 बस भरकर कांग्रेसियों को महू ले जाएंगे। इसी के साथ यह तय हुआ कि भोजन व्यवस्था शहर अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा करेंगे।

27 जनवरी को महू में है आयोजन
27 जनवरी को आंबेडकर जन्म स्थली महू में अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा आंबेडकरजी को नमन कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं सांसद प्रियंका गांधी सहित शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व सम्मिलित रहेगा। सज्जन वर्मा ने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि स्व. आंबेडकर जैसी महान विभूति का जन्म महू में हुआ। जिस तरह रामायण पवित्र है, बाइबिल पवित्र है, कुरआन पवित्र है, गुरुग्रंथ साहब पवित्र है, उसी तरह भारत का संविधान भी पवित्र है।

बस्तियों में जनसंपर्क किया जाएगा
वर्मा ने कहा कि हर कांग्रेसजन का कर्त्तव्य व जिम्मेदारी है कि वो संसद में देश के गृहमंत्री भाजपा नेता अमित शाह द्वारा आंबेडकरजी के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी का विरोध करे और महू में आयोजित आमसभा में ज्यादा से ज्यादा साथियों सहित सम्मिलित हो। सुरजीत चड्ढा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गली-मोहल्ले व बस्तियों में जनसंपर्क कर जनजागरण करें। बैठक को अश्विन जोशी, पिंटू जोशी, नीलेश सेन, बिंदु डागोर, अर्चना जायसवाल, रीना सेतिया, देवेंद्रसिंह यादव, प्रमोद द्विवेदी, रीटा डागरे, अरविंद बागड़ी, रमीज खान, श्यामसुंदर यादव, चिंटू चौकसे ने भी संबोधित किया। बैठक में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेतागण, कांग्रेस पदाधिकारी, प्रवक्ता, ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा-संगठनों के अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिग्विजय बोले- सिर्फ जिंदाबाद करने से भाजपा को नहीं हरा पाओगे

पूर्व मुख्यमंत्री ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश एनएसयूआई की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के राजीव गांधी सभागार में शुक्रवार को आयोजित की गई। पूर्व सीएम और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह बैठक में शामिल हुए। इस दौरन दिग्वजिय ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से पूछा कि आप में से कांग्रेस का इतिहास किस-किस ने पढ़ा है। आपको कांग्रेस का इतिहास पढ़ना चाहिए। अगर आपको आरएसएस-बीजेपी से लड़ना है तो दिमाग से लड़ना होगा, सिर्फ जिंदाबाद करने से नहीं लड़ पाओगे, जिंदाबाद करने से भाजपा को नहीं हरा पाओगे। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, एनएसयूआई प्रभारी मृणाल पंत पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े एनएसयूआई राष्ट्रीय सचिव व मप्र प्रभारी रितु बराला प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे एनएसयूआई के सह प्रभारी महेश सामोता उपस्थित रहें बैठक में सभी प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा की गई । वहीं कैंपस चलो अभियान में बेहतर कार्य करने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया।

आरएसएस की विचारधारा से लड़ाई
दिग्विजय सिंह ने कहा कि हमारी लड़ाई उन लोगों के साथ है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने आपको सांस्कृतिक बॉडी कहता है।आरएसएस नॉन रजिस्टर्ड संगठन है। आरएसएस की मेंबरशिप नहीं है और न ही उसका खाता है। लेकिन वह फिर भी खुद को देश का सबसे बड़ा संगठन मानता है और मोहन भागवत उसके प्रमुख हैं। एक बात तो ये है कि संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती और दूसरी बात ये है कि संघ भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान के प्रियंबल को नहीं मानते। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रियंबल पढ़ कर सुनाया। आपको यह आपके फोन में रखना चाहिए।
दिग्विजय सिंह ने एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सबको अगले 30 से 40 साल तक काम करना है। राजनीतिक जीवन बहुत कठोर होता है और अगर 1 लाख लोग प्रवेश करते हैं, तो उसमें से सिर्फ 100-200 ही सफल हो पाते हैं।सिंह ने कार्यकर्ताओं से पूछा कि आपको विचारधारा से जुड़ना है या कमाने के लिए जुड़ रहे हैं। विचारधारा से जुड़ रहे हो तो इसके लिए जीवन समर्पित करना है। यह विचारधारा भारत के हजारों वर्षों की संस्कृति और संस्कार है। इसे आज संघ द्वारा बिगाड़ा जा रहा है। हम उस देश के लोग हैं, जिसमें सबसे पुराना सनातन धर्म है। सनातन सब धर्मों का सम्मान करने वाला धर्म है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अगर आप सभी धर्म का अध्ययन करेंगे तो उनमें एक ही समानता है कि कैसे अच्छे नागरिक बनो, सच बोलो, प्रेम और सद्भाव से रहो और अहिंसा का रास्ता अपनाओ। नफरत से समाज की सृष्टि नहीं होती, नफरत से देश का विकास नहीं होता। राष्ट्रीय सचिव व मप्र प्रभारी रितु बराला ने संबोधित करते हुए कहा कि 25-30 साल बाद आप सभी कांग्रेस का भविष्य हैं आपको छात्रों पर बेरोजगार युवाओं की लड़ाई पूरी ताकत के साथ लड़ना है देश में बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है जिसको लेकर सभी को अपने-अपने जिलों में विरोध दर्ज करना है 26 जनवरी को एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी इंदौर आएगें आप सभी को साथियों के साथ इंदौर पहुंचना हैं। प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि आप सभी पदाधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं हमें और दोगुनी ताकत के साथ प्रदेश में काम करना है आप सभी को अपने-अपने जिलों में सदस्यता अभियान चलाकर मेंबरशिप करवाना है मेंबरशिप आनलाईन और आफलाइन दोनों माध्यम से होंगी।

कांग्रेस विधायक के निर्वाचन को चुनौती देते हुए पराजित भाजपा प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह ने हाईकोर्ट में दायर की थी चुनाव याचिका, अगली सुनवाई 22 को

गवाहों की सूची पेश करने के लिए आरिफ मसूद को अंतिम मोहलत

भोपाल। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ दायर चुनाव याचिका में उन्हें गवाहों की सूची पेश करने अंतिम मोहलत दी है। एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को निर्धारित की है।
उल्लेखनीय है कि भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के निर्वाचन को चुनौती देते हुए पराजित भाजपा प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह ने हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि निर्वाचित विधायक ने नामांकन पत्र में एसबीआई अशोक नगर शाखा से खुद तथा उनकी पत्नी के नाम लोन की जानकारी नहीं दी है। सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार लोन संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। हाईकोर्ट ने तत्कालीन बैंक मैनेजर को गवाही तथा प्रतिपरीक्षण के लिए तलब किया गया था। तत्कालीन मैनेजर ने हाईकोर्ट को बताया आरिफ मसूद तथा उनकी पत्नी सहित 40 खाताधारकों के नाम पर बैंक के कुछ कर्मचारियों की मिली भगत से एक गिरोह ने धोखाधड़ी से लोन स्वीकृत कराए थे, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। बैंक मैनेजर ने अपने बयान में कहा था कि आरिफ मसूद तथा उनकी पत्नी के नाम पर लोन की प्रविष्टि बैंक रिकॉर्ड में नहीं है और खाते को एनपीए कर दिया गया है। बैंक मैनेजर ने बताया कि उन्हें भ्रमित कर उनसे रिकवरी लेटर पर हस्ताक्षर कराए गए थे। बैंक ने अधिकृत तौर पर कांग्रेस विधायक तथा उनकी पत्नी को रिकवरी लेटर जारी नहीं किया है।

मसूद को गवाहों की नई सूची पेश करने के कोर्ट ने दिए थे निर्देश
विधायक आरिफ मसूद की तरफ से हाईकोर्ट में चुनाव याचिका पर सुनवाई बंद किए जाने की मांग करते हुए आवेदन पेश किया गया था। एकलपीठ ने आवेदन को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा था कि दस्तावेज फर्जी व कूटरचित नहीं है। दस्तावेजों की गुण-दोष के आधार पर समीक्षा की जाएगी। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आरिफ मसूद को गवाहों की नई सूची पेश करने के निर्देश दिए थे। याचिका पर शुक्रवार को हुई सुनवाई दौरान अनावेदक विधायक ने गवाहों की सूची पेश करने समय प्रदान करने का आग्रह किया। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद उन्हें अंतिम अवसर प्रदान किया है। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता अजय मिश्रा तथा कांग्रेस विधायक की तरफ से अधिवक्ता अजय गुप्ता ने पैरवी की।

भोपाल और ग्वालियर में ईडी की कार्रवाई

सौरभ शर्मा से जुड़े करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौरभ शर्मा से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने भोपाल में नवोदय हॉस्पिटल के संचालक डॉ. श्याम अग्रवाल के घर सहित चार जगहों पर कार्रवाई की गई। वहीं, ग्वालियर के मुरार कॉलोनी में भी ईडी ने चार ठिकानों पर दबिश दी है।
ईडी ने भोपाल के इंद्रपुरी बी सेक्टर में डॉ. श्याम अग्रवाल के घर पर छापा मारा। इसके अलावा, नवोदय कैंसर हॉस्पिटल और एमपी नगर स्थित अन्य अस्पतालों की भी जांच की जा रही है। छापे के दौरान बड़ी संख्या में निवेश से जुड़ी कागजात और नगदी मिलने की संभावना जताई जा रही है। यह अस्पताल सौरभ शर्मा के करीबी लोगों से संबंधित बताया जा रहा है। वहीं, ग्वालियर में ईडी ने केके अरोरा के घर पर भी छापा मारा गया। अरोरा घर पर नहीं मिले। टीम को उनके घर पर दो किराएदार मिले, जिनसे पूछताछ की जा रही है। केके अरोरा और उनकी पत्नी कुछ समय से बेंगलुरू में रह रहे हैं। इसके साथ ही ईडी ने ग्वालियर के सीपी कॉलोनी समेत चार अन्य ठिकानों पर भी छापे मारे हैं। केके अरोरा, विनय हासवानी के बिजनेस पार्टनर हैं। विनय हासवानी ही फॉर्म हाउस से आईटी की टीम ने 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए इनोवा कार में बरामद हुई। बताया जा रहा है कि विनय हासवानी ही सोने से लदी कार लेकर पहुंचा था। हासवानी सौरभ शर्मा का करीबी रिश्तेदार है। बता दें सौरभ शर्मा के घर पर लोकायुक्त की टीम ने 19 दिसंबर को छापेमारी की थी। उसके घर और ऑफिस से 7.98 करोड़ रुपए की चल संपत्ति जब्त की थी। इसके बाद ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके रिश्वेतादारों के ठिकानों पर एक सप्ताह पर छापेमारी की थी। वहां से कई दस्तावेज मिले थे। अब बताया जा रहा है कि ईडी की यह कार्रवाई उन दस्तावेजों में मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

आर्मी मैराथन के लिए आज यातायात व्यवस्था में रहेगा बदलाव

भोपाल। आगामी रविवार 19 जनवरी को सुबह 6 बजे से आर्मी मैराथन 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह मैराथन द्रोणांचल योद्धा स्थल एयरपोर्ट रोड मिलेट्री स्टेशन भोपाल से किया जाना प्रस्तावित है। इस दौरान आवश्यकतानुसार शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी।
जानकारी के अनुसार प्रथम चरण की 21 किलोमीटर की दौड़ प्रातः 6 बजे शुरू होगी। यह मैराथान योद्धा स्थल से प्रारंभ होकर मेन गेट से सिंगार चोली, लालघाटी, वीआईपी रोड, रेतघाट, पालीटेक्निक, बाणगंगा, रोशनपुरा, अपेक्स बैंक तिराहा, प्लैटिनम प्लाजा, अटल पथ, न्यू मार्केट होकर वापस योद्धा स्थल पहुंचकर समाप्त होगी। इसी प्रकार 10 किलोमीटर की मैराथन दौड़ सुबह साढ़े 6 बजे योद्धा स्थल से शुरू होगी। यह दौड़ मेन गेट से सिंगार चोरी, लालघाटी, वीआईपी रोड कोहेफिजा रोटरी से टर्न लेकर इसी मार्ग से वापस लौटेगी। इसके साथ ही 5 किलोमीटर की दौड़ योद्धा स्थल से प्रारंभ होकर मेन गेट से सिंगार चोली, दाता कालोनी, लालघाटी चौराहा से यू टर्न लेकर वापस लौटेगी।

यहां होगी पार्किंग व्यवस्था
मैराथन के लिए भोपाल यातायात पुलिस ने पार्किंग, मार्ग व्यवस्था और डायवर्शन प्लान तैयार किया है। मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागी योद्धा स्थल द्रोणांचल तक पहुंचने के लिए अपने रजिस्ट्रेशन की हार्ड कॉपी साथ लेकर पहुंच सकेंगे। प्रतिभागी अपने दोपहिया वाहन योद्धा स्थल के सामने से चार पहिया वाहन स्टेंट हेंगर, नायरा पेट्रोल पम्प के पास, बस वाहन ओल्ड एयरपोर्ट रोड हनुमान मंदिर के सामने पार्क करेंगे।

ऐसी होगी व्यवस्था
मालवाहक और भारी वाहनों को छोड़कर रोशनपुरा से एयरपोर्ट की तरफ सभी वाहन जा सकेंगे। एयरपोर्ट और गांधी नगर की तरफ से बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाले वाहन नई जेल रोड, करोंद चौराहा, बेस्ट प्राइज से जेपी नगर ओवर ब्रिज होकर जाएंगे।

ग्राहक संतुष्टि में देश में आठवें स्थान पर

खजुराहो एयरपोर्ट को मध्य प्रदेश में पहला स्थान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने देश के 63 हवाई अड्डों पर किए गए ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण 2025 की रिपोर्ट जारी की है। इस सर्वे में मध्य प्रदेश के खजुराहो एयरपोर्ट ने देश में आठवां और राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह सर्वे यात्रियों को एयरपोर्ट पर मिलने वाली सुविधाओं और उनकी संतुष्टि पर आधारित होता है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर यह सर्वे किया जाता है, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस बार भी खजुराहो एयरपोर्ट ने अपनी उच्च सेवाओं के चलते मध्यप्रदेश के सभी एयरपोर्ट्स को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है।
इस सर्वे में एयरपोर्ट के विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन किया गया, जिनमें यात्रियों की सुविधाएं, कर्मचारी व्यवहार, स्वच्छता, सुरक्षा जांच, पार्किंग सुविधाएं, ट्रॉली उपलब्धता, कतार प्रबंधन, खान-पान सेवाएं, और उड़ान की जानकारी की उपलब्धता शामिल थीं। खजुराहो एयरपोर्ट ने इन सभी पहलुओं पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके कारण यह प्रतिष्ठित स्थान हासिल हुआ। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट्स में भोपाल को 15वां, ग्वालियर को 10वां और जबलपुर को 22वां स्थान मिला। खजुराहो एयरपोर्ट के निदेशक संतोष सिंह ने इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बेहतर यात्री सेवाओं और सुविधाओं के उत्कृष्ट प्रबंधन का परिणाम है।

28 जनवरी से उत्तराखंड में खेलों का होगा आयोजन

38वें राष्ट्रीय खेलों में मप्र के 335 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोज किया जा रहा है। इन खोलों में मध्यप्रदेश के 335 खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे। युवा और खेल कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने जानकारी देते हुए बाताया कि उत्तराखंड में 28 जनवरी से आयोजित राष्ट्रीय खेल में 335 खिलाड़ी और करीब 100 सपोर्ट स्टाफ हिस्सा लेंगे।
राष्ट्रीय खेलों में कुल 35 खेल आयोजित किये जाएंगें जिसमें से 26 खेलों में मप्र ने योग्यता प्राप्त की है। इनमें एथलेटिक्स तीरंदाजी बास्केटबॉल, योग, रोइंग, कयाकिंग, कैनोइंग, स्वालम, योगा, मलखंभ बॉक्सिग, कुस्ती, ताहांडी ट्रायथलॉन, बुनु मॉडर्नायलॉन, मकैन, जिमनास्टिक्स, हॉकी शामिल है।. मंत्री सारंग ने बताया कि खेलों के प्रतिक्षण शिविर प्रारंभ हो चुके है, पदक विजेताओ को नगद राशि का पुरस्कार दिया जायेगा। स्वर्ण पदक विजेता को 5 लाख रजत पदक को 3 लाख 20 हजार एवं कांस्य पदक विजेता को 2 लाख 40 हजार रुपये की राशि का पुरस्कार दिया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों में सबसे बडा दल हॉकी महिला पुरूष जिसमें 32 खिलाडी, 28 खिलाडी एथलेटिक्स और 23-23 खिलाडी रोइंग व वुशु खेल के हैं।

ओलम्पियन खिलाडी भी होंगे शामिल
मंत्री सारंग ने बताया कि इन खेलों में मप्र के ओलम्पियन खिलाडी विवेक सागर एंव एश्वर्य प्रताप सिंह भी भाग लेगें। 37वें राष्ट्रीय खेल गोवा में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 43 खेलों में से 37 खेलों में शानदार खेल प्रदर्शन करते हुये 38 स्वर्ण, 35 रजत और 39 कांस्यपदक सहित कुल 112 पदक अर्जित कर मध्यप्रदेश को चौथा स्थान प्राप्त किया था। 75 वर्षों में पहली बार मप्र की महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर इतिहास रचा था। उत्तराखंड में आयोजित इन राष्ट्रीय खेल में लगभग सभी खेलों के खिलाड़ी अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित करेंगे।

सम्पादकीय

ईमानदारी से हो गाजा में युद्धविराम का पालन

हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्त्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्त्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्त्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी की जाए। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति की राह मजबूत हो सके।

यह सुखद ही कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्त्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे कुछ राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्त्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्टूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्त्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्त्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्त्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्त्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है। दरअसल, हालिया समझौते में इस्त्राइली सेना की गाजा से वापसी, चरणबद्ध तरीके से इस्त्राइली बंधकों व फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में पुनर्निर्माण पर सहमति बनी है। इसके साथ ही गाजा के विस्थापितों को वापस लौटने की अनुमति भी दी जाएगी। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्त्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्त्राइल प्रतिशोध लेगा,लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्त्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्त्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्त्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्त्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी की जाए। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरूआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। बहरहाल,युद्ध की त्रासदी व मौसम की मार झेल रहे फलस्तीनियों को को कुछ राहत जरूर मिलेगी।

प्रयागराज महाकुंभ 2025: दिव्य महोत्सव के धार्मिक और सांस्कृतिक रंग

बात सनातन धर्म के प्रचार तथा भारतीय संस्कृति के संचार संबंधित सेवाओं की हो तो इसके लिए सम्मान और उपाधियां मिलनी चाहिए। भारत के दूरस्थ क्षेत्र एवं विश्व के अन्यन्य देशों में हिंदू धर्म के प्रसार हेतु कई ऐसे विभूषण है जो की दिए जा सकते हैं। इन्हें आचार्य धमार्चार्य,महंत श्रीमहंत और मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर इत्यादि पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। किंतु आचार्य महामंडलेश्वर,अखाड़ा परिषद अध्यक्ष और विभिन्न संप्रदाय के जगतगुरु की पदवी की घोषणा नहीं होनी चाहिए। ये पीठ और इनके इन प्रमुखों का पद निश्चित तौर पर समस्त धर्म व्यवस्थाओं के निर्धारण का स्थान है। यही नहीं यह इस पुरातन धर्म के निरंतर चलायमान और प्रवाहमान होने का एक प्रमुख कारण भी है, इसलिए इसमें इस प्रकार के प्रयोग एवं हस्तक्षेप नहीं होने चाहिए।

प्रयागराज कुंभ के प्रारंभ होते ही इसने व्यवस्था और आगंतुकों की दृष्टि से नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इसे देखते हुए इसे भव्य दिव्य और विहंगम कहा जा सकता है। वास्तव में यह ज्ञात मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन है। किंतु इस महाआयोजन में कई विसंगतियां भी सुर्खियां बटोर रही है। धर्म में बाजारवाद की पैठ और अनुचित अनावश्यक विषयों का प्रचार इसी का दुष्परिणाम है।

दरअसल, जिस संस्कृति में लैंगिक आधार पर भेदभाव का कोई इतिहास नही है वहां लिंग भेद के आधार पर धर्म व्यवस्थाओं का बनना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। पृथक किन्नर और महिला अखाड़े के पीछे की आखिर मंशा क्या है? आखिर इन्हें कुंभ में पृथक स्नान अलग से शोभायात्रा पेशवाई इत्यादि की आवश्यकता क्यू आन पड़ी है? जबकि सनातन पुरातन मान्यतानुसार इस अवसर मनुष्यों के अतिरिक्त अन्य जाति एवं लोक के निवासी भी आते हैं। इन्ही में देव दानव,भूत पिशाच,यक्ष गंधर्व नाग और किन्नर इत्यादि का जिक्र आता है। बात सनातन परंपरा की करें तो सदियों से तेरह अखाड़ों के अंतर्गत ही सभी भारतीय मत पंथ एवं संप्रदाय एकजुट रहे है। ये अखाड़ें धर्म की रक्षा और प्रचार के लिए बनाए गए थे। यही नहीं धर्म व्यवस्थाओं के उचित प्रकार संचालन एवं पालन में भी इनकी एक महती भूमिका रही है, जिसे ये अपने संप्रदाय के आचार्य एवं अखाड़ें के साधु संत संग मिल बैठकर तय करते थे, वहीं दूसरे अन्य संप्रदाय एवं अखाड़ों के संग भी इनका समन्वय रहा है। इस नाते इनकी स्थापना एक गहन चर्चा विमर्श और संवादों का परिणाम है।

यह पूरी व्यवस्था गुरु शिष्य परंपरा पर आधारित है, जिसका एक सिरा ग्रंथ तो दूसरा देवता विशेष को जाता है। वैसे इसके पीछे दर्शन,परंपरा रीति-रिवाज, उपासना और शास्त्र प्रमाण मौजूद है। इन अखाड़ों का देश धर्म और संस्कृति के लिए एक गौरवशाली योगदान भी रहा है। ऐसे में किसी नए प्रयोग का क्या मतलब है। किंतु बात यही पर नहीं रुक रही है। स्त्री और पुरुषों के मध्य इस तीसरे लिंग के लोगों को धमार्चार्यो के पदों पर विभूषित करने का चलन चल पड़ा है। अब तो इस कुंभ में इनमें से कइयों को जगतगुरु शंकराचार्य एवं विभिन्न वैष्णव संप्रदायों के सर्वोच्चय आचार्य पद पर बिठाने का कुप्रयास हो रहा है।

बहरहाल, इससे पूर्व ही ये लोग हिंदू धर्म के अधिकृत प्रवक्ता के तौर पर समाज को संबोधित कर रहे हैं। सर्वप्रथम बात इनके पहचान की करें तो जन्म से महज कुछेक लोग ही उभयलिंगी अथवा शारीरिक अक्षमता के शिकार होते हैं। अधिकांश तीसरे लिंगी अपने मनोगत यौन इच्छाओं के नाते इस जीवन को चुनते हैं। ये स्त्रियों से हाव भाव एवं पुरुष से शारीरिक बनावट वाले होते हैं। किंतु इनमें ना तो स्त्रियों सा शील लज्जा और ना ही पुरुषों के जैसा पौरुष एवं पराक्रम होता है। इनके विषय में प्राचीन वांग्मय से लेकर पुरातन साहित्य तक में चर्चा आई है। किंतु इस दौर में इनके बहुसंख्यक लोग मेरा शरीर मेरी मर्जी के नारों से प्रभावित है। इनमें से अधिकांश तीसरे लिंगी जन्मना न होकर यौन आकांक्षा पूर्ति हेतु शल्यक्रिया से पायी काया वाले हैं। इनमें से ही कई ऐसे लोग इन दिनों हिंदू धमार्चार्य बनकर घूम रहे है। ये अप्राकृतिक यौनाचार सार्वजनिक यौन संबंध तथा समलैंगिक विवाहों के प्रबल समर्थक रहे है। ये अपने वक्तव्य एवं गतिविधि के माध्यम से समलैंगिक संबंध को लगातार प्रोत्साहित करते रहे हैं।

यही नहीं जुलूस प्रदर्शनों इत्यादि के माध्यम से इसके लिए वातावरण भी बनाते रहे हैं। ऐसे में एक हिंदू धमार्चार्य के तौर इनकी स्वीकार्यता निश्चित ही इनके जितनी ही अप्राकृतिक होगी, क्योंकि सनातन हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति किसी भी प्रकार के भेदभाव को स्वीकार्य नहीं करती है। यह किसी के उत्पीड़न का भी पक्षधर नही है। किंतु यहां ईश्वरीय विधान प्रकृति के सिद्धांत और संयम का अतिशय महत्व है। अध्यात्म की यात्रा ही व्यभिचार भौंडापन और वैभव के प्रदर्शनों के अंत के साथ होती है। साधु जीवन बिना इन्द्रिय निग्रह और कठोर साधना के संभव नहीं है।

ऐसे में भला क्या ये लोग ब्रह्मचर्य का पालन और साधुता के नियमों कायदों का संपूर्ण जीवन अनुपालन करेंगे? वहीं इस बात की क्या गारंटी की ये आगे यौन स्वेच्छाचार एवं अप्राकृतिक यौनाचार संबंधित गतिविधियों की वकालत ना करें? किंतु इस कुंभ में विवादों का यह एकलौता मसला नहीं है। महिलाओं के पृथक अखाड़े से लेकर महिला नागा साधु की बात भी कुछ ऐसी ही है। विचार करें तो महिलाओं की मनोभावना और शारीरिक रचना कई मायनों में पुरुषों से अलग है। जीवन के एक खास हिस्से में स्त्रियां महीने के कुछ निश्चित दिनों तक रजस्वला होती है। वहीं ये पुरुषों से कही अधिक भावुक स्वभाव की होती है। इन सब कारणों से इनके लिए एक कठोर जीवन कतई उचित नहीं है। इसके इतर नारी का स्वाभाविक गुणधर्म लज्जा शील और मातृत्व है। ऐसे में भला उनके दिगंबर पूर्णतया नग्न नागा साधु होने के क्या मायने हैं? ये तो घर परिवार और संसार में रहकर भी धर्म और आध्यात्म के मार्ग पर बढ़ सकती हैं। नारी रूपी नारायणी स्वयं की मुक्ति संग समाज को भी दिशा दिखा सकती है।

इन मुद्दों के इतर एक विषय हर कुंभ मेले में चर्चा का विषय बना रहता है। यह मसला हिंदू धमार्चार्यो के अधिकृत पीठ उस पर नियुक्त आचार्य तथा स्वयंभू पीठों के आचार्य रूप में विभूषित विराजित संतों का है। दुर्भाग्यवश दुनिया में केवल हिंदू धर्म ही ऐसा है जहां ये मसले विवादित है। इसाई और इस्लाम को छोड़ भारतीय मत पंथ जैन बौद्ध एवं सिख में भी ऐसा देखने को नही मिलता है। दैत्यों से स्वभाव और विस्तारवादी सोच के बावजूद वैश्विक शक्ति चीन अब तक तिब्बती बौद्ध परंपरा के परमपावन लामाओं की मान्यताओं पर चोट नही कर पाया है।

यहां तक की कई हजार वर्ष की यात्रा उपरांत भी दलाई एवं पंचेम लामा पद पर नए आचार्यो के चयन में कोई गलती नहीं होती है। जबकि ये परंपरागत् तौर पर धमार्चार्य के साथ ही राजनैतिक प्रमुख भी होते रहे हैं। इसके उलट विश्व के सर्वाधिक पुरातन धर्म हिंदू में यह व्यवस्था राजसत्ता से अलग है। ये अपने तप त्याग,ज्ञान एवं जन कल्याण संबंधित भावनाओं के नाते राजव्यवस्था से जनमानस तक में पूजे जाते रहे हैं। परंतु यहां अब आचार्यो की नियुक्ति का मनमाना चलन चल रहा है। जबकि आद्य शंकराचार्य से लेकर विभिन्न पूर्ववर्ती महान आचार्यो ने समय अनुसार इस पर अपने मंतव्य लिख रखा है। जिस धर्म में स्नान से लेकर भोजन विधान तक के मंत्र लिखित रूप में मौजूद हो। आखिर वहाँ धार्मिक पीठ, धमार्चार्यो के नियुक्ति एवं उपाधि तथा पदवियों के लिए भला कोई व्यवस्था कैसे नही होगी? बात खालसा पंथ के तख्त अर्थात केंद्र,पीठ स्थान एवं यहाँ के व्यवस्थाओं की करे तो कोई किंतु परंतु नही है। जबकि सनातन धर्म की शाखा रूप में यह गुरु गोविंद सिंह द्वारा कुछ सौ वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया है। ऐसे में भला विश्व के सर्वाधिक पुराने,जागृत एवं शाश्वत धर्म में ऐसा होना वाकई दुखद है। यहां विभिन्न संप्रदाय एवं मत पंथ के सर्वोच्च केंद्र पूर्व निर्धारित है। ऐसे में किसी का भी इसके लिए दावा अनुचित है। इनकी नियुक्ति सदैव सांप्रदायिक प्रावधान, पूर्ववर्ती आचार्य एवं संप्रदाय के आचार्यगणों के मंतव्य से होना चाहिए।

बात सनातन धर्म के प्रचार तथा भारतीय संस्कृति के संचार संबंधित सेवाओं की हो तो इसके लिए सम्मान और उपाधियां मिलनी चाहिए। भारत के दूरस्थ क्षेत्र एवं विश्व के अन्यन्य देशों में हिंदू धर्म के प्रसार हेतु कई ऐसे विभूषण है जो की दिए जा सकते हैं। इन्हें आचार्य धमार्चार्य,महंत श्रीमहंत और मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर इत्यादि पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। किंतु आचार्य महामंडलेश्वर,अखाड़ा परिषद अध्यक्ष और विभिन्न संप्रदाय के जगतगुरु की पदवी की घोषणा नहीं होनी चाहिए। ये पीठ और इनके इन प्रमुखों का पद निश्चित तौर पर समस्त धर्म व्यवस्थाओं के निर्धारण का स्थान है। यही नहीं यह इस पुरातन धर्म के निरंतर चलायमान और प्रवाहमान होने का एक प्रमुख कारण भी है, इसलिए इसमें इस प्रकार के प्रयोग एवं हस्तक्षेप नहीं होने चाहिए। बाकी यहां सभी के लिए सनातन धर्म की शिक्षा का मार्ग खुला है। किंतु बिना पात्रता के किसी को भी साधुओं सा वस्त्र, नाम,संबोधन और स्नान संबंधित विशेषाधिकार देना अनुचित है। इस कुंभ में एक अभिनेत्री अनावश्यक रूप से चचाओं में है। बिना किसी योगदान अथवा धर्म संबंधित उपलब्धियों के ही ये प्रचार के केंद्र में है। यहाँ तक की इसी बहाने सबसे सुंदर साध्वी की चर्चा चल पड़ी है। जबकि, कुंभ तो युगों से तपश्चर्या के लिए जाना जाता रहा है। वैसे भी सनातन धर्म में हर कोई साधुवेशधारी ही हो ये जरूरी नहीं है।

वास्तव में यह कुंभ सनातन धर्म के विभिन्न पक्ष पहलुओं से अवगत होने का एक सुअवसर है। यहां भारतीय संस्कृति के विविध रंग भी देखने को मिलेंगे। इस अवसर विश्वभर से बड़ी संख्या में जिज्ञासु, ज्ञानपिपासु और श्रद्धावान भक्त पहुंच रहे है। इन देशज विदेशज श्रद्धालुओं के आने का क्रम प्रारंभ से ही जोरदार है। क्या आम और क्या खास सभी आ रहे है। दुनिया के सर्वाधिक शिक्षित और सुसंपन्न लोगो के साथ ही सीमित साधनों में गुजारा करने वाले लोगों का आना जारी है। यहां तक की रूढ़िवादी अतिवादी आक्रामक विचारों के बीच पले बढ़े अथवा रह रहे लोग भी आ रहे है। गैर हिंदू परिवारों से आने वाले श्रद्धालुओं के आधार पर आप ऐसा कह सकते है।

इनमें ब्राजील और तुर्की से लेकर भारतीय तक है। किंतु जब प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर लाखों लोग एक साथ कुंभ स्नान कर रहे हैं तो ये दृश्य वाकई विस्मयकारी है। यहां आकर आर्थिक और सामाजिक हैसियत तो छोड़िए लिंग जाति रंग और राष्ट्रीयता जैसे समस्त भेद बह जा रहे हैं। इस अवसर संकल्पों में केवल सनातन धर्म और भारत भूमि के प्रति आस्था की गूंज सुनाई देती है। इसकी अनुभूति आप जयकारे तथा स्नान विधान मंत्रों में कर सकते हैं। यही नहीं यहाँ मंत्र और वैराग्य की दीक्षा लेने वाले पिपासु की संख्या भी बहुत बड़ी है जिसमें भारतीय और आभारतीय दोनों है। कौन हिंदू है और कौन अहिन्दू था यह यहां कह पाना मुश्किल है। सभी सनातन संस्कृति और भारत प्रेम में रंगे हैं। वास्तव में यह कुंभ पर्व अपने इन अनोखे अनूठे अदभुत और विस्मयकारी बातों के नाते भी खबरों की सुर्खियों में है।

सोशल मीडिया पोस्ट,वायरल रील और कुंभ उत्सव समाचारों ने इसकी चर्चा को एक विस्तार दिया है। इन सभी कारणों से कुंभ मेला सूचना वेबसाइट सुर्खियों में है। भारत के अलावा पूरी दुनिया में इसके माध्यम से कुंभ को जानने की होड़ है। अल्पसंख्यक हिंदू आबादी वाले देशों से लेकर कट्टर गैर हिंदू पहचान वाले देशों में भी यह सर्च किया जा रहा है। यही नहीं इसके सर्वाधिक उपयोगकर्ता देशों की सूची में आश्चर्यजनक रूप से पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देश है। किंतु अज्ञानता दुर्भावना और दुराग्रहपूर्ण पूर्व धारणाओं के नाते किसी को भी साध्वी संत तथा जगतगुरु कह दिया जाना वाकई गलत है। इसके पीछे सुनियोजित प्रचार संग संचार माध्यमों का भीड़ भाड़ जिम्मेदार है। ऐसे में हिंदू धमार्चार्यो के साथ ही इस विषय में शासन और मीडिया समूहों को भी सोचना चाहिए। आखिर यह एक पुरातन परंपरा और उभरते वैश्विक शक्ति के रूप में सामने आ रहे देश की छवि का मसला जो है।

पर्यावरण और सवाल: समुद्री पक्षियों पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव

समुद्री पक्षी मुख्यतया- महासागर पर निर्भर रहने वाले पक्षी हैं। वे ज्यादातर अपना जीवनकाल मुख्य भूखंड से दूर समुद्र में व्यतीत करते हैं तथा महासागर के हर छोर पर पाए जाते हैं। इन पंछियों के पंख जलरोधक होते हैं और खारे पानी से नमक को अलग करने की इनमें विशेष क्षमता होती है। समुद्रीय पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में इनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। समुद्री पक्षी महासागर के दूर-दराज द्वीपों प्रजनन करते हैं जहां कई बार इंसानी गतिविधियां न के बराबर होती हैं। परन्तु फिर भी इंसानों द्वारा निर्मित एक ऐसा वस्तु है जो समुद्री पक्षियों के लिए एक भयंकर संकट बन चुका है और वह है प्लास्टिक।

आज तक जितने भी प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, वह अभी भी धरती पर मौजूद हैं। इस सदी के पहले दशक में इतनी मात्रा में प्लास्टिक का निर्माण हुआ है, जो सन् 2000 से पहले कभी नहीं हुआ। वर्तमान में समुद्र में लगभग 15 -51 ट्रिलियन प्लास्टिक के कणों के मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है। प्लास्टिक की उपस्थिति हजारों मीलों दूर समुद्र के बीचों-बीच स्थित द्वीपों पर भी दर्ज की गई है। उत्तर पैसिफिक में ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच नाम से जाना जाने वाला विशाल कचरे का खंड है जो आकार में अमेरिका के टेक्सास राज्य से दोगुना है। प्लास्टिक की समस्या, समुद्री तट से लेकर महासागर की गहराईयों और दूरवर्ती द्वीपों पर भी गंभीर रूप लेती जा रही है।

हर साल हजारों की तादाद में समुद्री पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के प्रमाण पाए गए हैं। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि प्रत्येक वर्ष लगभग 1 मिलियन पक्षियों की प्लास्टिक निगलने के कारण मृत्यु होती है। सन् 1960 में, 5 प्रतिशत से भी कम पक्षियों के पेट में प्लास्टिक पाए गए थे। अब 20 साल बाद यह संख्या 10 गुना बढ़ के 80 प्रतिशत हो गई है। यह समस्या बहुत ही गंभीर है और विस्फोटक तरीके से बढ़ती जा रही है, जिसके कारण इन पक्षियों की जन्संख्या और प्रजनन पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ सकता है। सन 2050 तक 99 प्रतिशत समुद्रीय पक्षियों के प्लास्टिक निगलने के खतरे का अनुमान है। वैज्ञानिक शोध से यह जाना गया है की समुद्री पक्षियों में प्लास्टिक निगलने के अनेक गंभीर प्रभाव हो सकते हैं। वयस्क पक्षी गलती से प्लास्टिक के कचरे को शिकार समझकर चूजों को खिला देते हैं जो बहुत छोटे, और शिकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। प्लास्टिक निगलने से इन चूजों की वयस्कता तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है। प्लास्टिक पक्षियों के पेट में जमा होने लगता है, जिसकी वजह से भुखमरी जैसी स्थिति पैदा होने से इनकी मृत्यु हो जाती है। मृत समुद्री पक्षियों के पेट में काफी मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है।

प्लास्टिक के सेवन के बाद समुद्री पक्षियों में स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रकार की समस्याएं देखी गई हैं, जैसे जो पक्षी वयस्कता तक जीवित रह जाते हैं उनके शरीर का विकास कम होता है। उनके पंख और चोंच छोटे रह जाते हैं और शरीर का वजन भी कम होता है। प्लास्टिक पक्षियों में गुर्दे संबधित विकार से यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ने के साथ कोलेस्ट्रॉल एवं एन्जइम्स के निर्माण पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। प्लास्टिक निगलने की समस्या समुद्री सतह पर शिकार करने वाले जैसे अल्बाट्रोस या गोते लगाने वाले जैसे पफिंस में भी पाई गई है। कुछ समुद्री पक्षी जैसे ऐल्बाट्रॉस प्लास्टिक पर दिए हुए मछलियों के अंडे या फिर प्लास्टिक के टुकड़ों को स्क्विड समझ कर खा जाते है। प्लास्टिक में उलझने और फंसने से भी कई समुद्री पक्षी घायल हो जाते हैं या संक्रमण के शिकार हो जाते है या फिर डूब जाते हैं। जाल में फसने के कारण उनकी चाल और गति धीमी हो जाती है जिससे वो आसानी से अन्य जानवरों के शिकार बन जाते है।

कुछ पक्षी प्लास्टिक को अपने घोसले बनाने के उपयोग में लाते हैं। इन पक्षियों के घोंसले में मछली पकड़ने वाले जाल और नायलॉन रस्सियां में प्राकृतिक सामग्री जैसे समुद्री शैवाल और सूखी टहनियों के साथ सयुंक्त की जाती है । घोसला बनाने में प्लास्टिक के उपयोग का दुष्प्रभाव अभी समुद्री पक्षियों में पूरी तरह ज्ञात नहीं हुआ है। इंसानों द्वारा

घने जंगल में विराजित है पुरुष रूप में नाग देवता की मूर्ति

बड़वाह नगर के समीपस्थ घने जंगल में स्थित सुरतीपुरा तालाब के मंदिर में नागदेवता की मूर्ति पुरूष रूप में स्थापित है। आसपास प्राकृतिक रूप में पानी से भरा तालाब सुकून देता है। मंदिर में वैसे तो सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है। लेकिन नागपंचमी पर यहां दर्शन करने का अलग ही महत्व बताया जाता है। नागपंचमी पर परिसर में एक दिनी मेला भी लगता है। पंडित बताते है कि निमाड़ क्षेत्र में यह एकमात्र मंदिर है जहां नागदेवता की प्रतिमा पुरूष रूप में विराजमान है। द्वापरयुगीन मंदिर को अपने वनवासकाल के दौरान पांडवों ने इस जंगल को अपना बसेरा बनाया था। अपने विश्रामकाल के दौरान पांडवों ने यहां अपनी रक्षा के लिए नाग देवता को विराजित किया। मान्यता अनुसार च्यवनप्राश का आविष्कार करने वाले च्यवन ऋषि अपने साधनाकाल के दौरान यहीं ठहरें थे। तपस्या के दौरान उनके शरीर को दीमकों ने डेरा बना लिया था। तभी यहां एक बांबी बन गई। इस बांबी के दो छेद से प्रकाश निकल रहा था। इस दौरान एक राजा का इस जंगल में परिवार सहित आगमन हुआ। बांबी से प्रकाश निकलने के कारण राजा की बेटी ने इसमें लकड़ी डाली। यह लकड़ी च्यवन ऋषि की आंख में लगी, जिससे बांबी से रक्त निकलने लगा। इस मंदिर का नर्मदा पुराण में उल्लेख मिलता है। बांबी से निकलने वाला ऋषि की आंखों का था। राजा की बेटी की इस हरकत से च्यवन ऋषि का ध्यान भंग हो गया। वे राजा को श्राप देने के लिए उद्यत हो गए। राजा ने ऋषि से निवेदन किया कि वे उनकी बेटी के साथ विवाह कर लें। राजा की बात सुनकर ऋषि ने अपने वृद्व व जर्जर शरीर का वास्ता दिया, लेकिन राजा नही मानें और बेटी के अपराध का प्रायश्रित करने पर अड़ गए। इसके बाद च्यवन ऋषि ने च्यवनप्राश का निर्माण किया। इसका सेवन कर शरीर का कायाकल्प कर राजा की बेटी से विवाह कर लिया। लोक मान्यताओं के अनुसार इस पूरी घटना के बाद नागदेवता यहां पुरूष रूप में स्थापित हो गए तभी से उनकी पूजा की जा रही है। पूरे निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का केन्द्र बना हुआ है। जहां भक्तगण दर्शन करने हर दिन पहुंचते रहते है। इस तालाब के किनारें ठंड के मौसम में देश-विदेश से प्रवासी पक्षियों का आवागमन भी प्रारंभ हो गया है। हर साल आप प्रवासी पक्षियों के झुंड देख सकते है। इनमें ज्यादातर पक्षी कीटों, फलों या अनाज पर निर्भर होते है। अन्य इलाकों के आसपास उन्हें इस तरह का भरपुर भोजन नही मिल पाता है। इसलिए पक्षी अब ऐसे स्थानों की ओर बढ रहे है। जहां उनके लिए पर्याप्त भोजन मिल सके और हर प्रकार से शोर से वो दूर रहे।

द दून वैली पब्लिक स्कूल में अध्यापकों के लिए विभिन्न रोचक कार्यशालाओं का हुआ आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)

देवबंद (सहारनपुर)। द दून वैली पब्लिक स्कूल मे विभिन्न कार्यशालाओं की श्रृंखला के अन्तर्गत वेल्यु एजुकेशन, स्ट्रेस मैनेजमेंट तथा स्टोरी टेलिंग आदि विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल की परम्परा के अनुसार आगन्तुक अतिथियों श्रीमती नम्रता शर्मा, श्रीमती नीलम थपलियाल, श्रीमती रूमा मल्होत्रा व विशाल अरोड़ा के साथ स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा, ब्रांच हेड श्रीमती तनुज कपिल, क्वालिटी हेड श्रीमती अर्चना शर्मा तथा उप-प्रधानाचार्य हरदीप सिंह ने मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्पार्चनोपरान्त कार्यक्रम का प्रारम्भ किया। इस अवसर पर आगंतुक अतिथियों का तिलक लगाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

प्रथम दिन विंग 02 (कक्षा 3 से 5) के अध्यापकों के लिए आयोजित कार्यशाला शिक्षा में नैतिक मूल्यों के निर्माण तथा संस्कार संस्थापना पर बोलते हुये रिसोर्स पर्सन श्रीमती सीमा शर्मा व श्रीमती नम्रता शर्मा ने विभिन्न विषयों के माध्यम से बच्चों में संस्कार और मूल्यों की निष्पत्ति के लिए बड़े ही आसान और ग्राह्य उदाहरणों का सहारा लिया और उन तथ्यों से अवगत कराया जो सामान्यत: अति महत्वपूर्ण होते हैं किन्तु हम उन्हें नजर अंदाज कर देते हैं, उन्होंने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को केवल ज्ञानवान बनाना ही नहीं बल्कि एक संस्कारवान श्रेष्ठ नागरिक बनाना होता है।

अगले दिन विंग 03 (कक्षा 6 से 8) के अध्यापकों के लिए आयोजित कार्यशाला में स्ट्रेस मैनेजमेन्ट पर बोलते हुये श्रीमती सीमा शर्मा व श्रीमती नीलम थपलियाल ने अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों पर पड़ने वाले विभिन्न दबावो जैसे सामजिक पारिवारिक व स्कूल के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुये उन्हें दूर करने के सरल व मनोरंजक उपायो जैसे मैडिटेशन, खेल, पेंटिंग व संगीत आदि से अवगत कराया।

कार्यशाला के अंतिम दिन विंग 01 (कक्षा प्ले से 2) के अध्यापकों के लिए आयोजित स्टोरी टेलिंग वर्कशाप में श्रीमती रूमा मल्होत्रा व विशाल अरोड़ा ने शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिये विभिन्न विधियों के बारे मे बात की। उन्होंने समझाया कठिन से कठिन विषयों को कहानियों के द्वारा आसानी से समझाया जा सकता हैं। अत: कहानियाँ का हमारी शिक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण स्थान है। कार्यक्रम के अंत में, स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किये तथा शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षण पद्धतियों में और अधिक जागरूकता लाएं और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त करें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नई-नई विधियों और तकनीकों का समावेश कर हम छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।

खाली पडी जमीन को लेकर दो पक्षों में हुआ झगडा

फायरिंग में दो लोग हुए घायल, घायल दोनों लोगो है खतरे से बाहर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर में स्टेट हाईवे स्थित तल्हेड़ी चुंगी के पास खाली पडी जमीन को लेकर दो पक्षों में झगडा हो गया। जिसके बाद दोनो पक्षों में फायरिंग भी हो गई। इस दौरान दोनों ओर से हुई फायरिंग में दो लोग घायल हो गए। घायल दोनों लोग खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसपी देहात सागर जैन पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि देवबंद नगर में स्टेट हाईवे स्थित तल्हेड़ी चुंगी के पास खाली पडी जमीन पर एक पक्ष द्वारा काम लगाया जा रहा था। जिसमें दूसरे पक्ष के कुछ लोगो द्वारा वहां पर आपत्ति जताई गई। जिसके बाद दोनो पक्षों के बीच लडाई-झगडा हो गया। जिसके बाद मौके पर

फायरिंग हुई। जिसमें दो लोगो को गोली लग गई। एक व्यक्ति के पेट से गोली छूकर निकली है जबकि दूसरे व्यक्ति के हाथ से छूकर निकली है। दोनो लोगो की स्थिति सामान्य है। पुलिस द्वारा दोनो का मेडिकल कराया गया है। एक पक्ष की तहरीर पर थाना देवबंद में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जांच के बाद अभिलेखीय साक्ष्य इकट्ठे कर आसपास के सीसीटीवी देखने के बाद जो भी तथ्य सामने आएगे उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

सफेद रंग की मारूती स्विफ्ट कार ने उगला 71 किलो 400 ग्राम कीमती गांजा

NKJ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, जुहला वायपास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक चार पहिया वाहन से भारी मात्रा मे अवैध मादक पदार्थ गांजा की बड़ी खेप बरामद की हैं. इस मामले मे पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं. पकड़े गए आरोपियों मे से एक के विरुद्ध पूर्व मे भी जबलपुर के गढ़ा भेड़ाघाट मे 2022 मे भी अवैध मादक पदार्थ गांजा के विरुद्ध एनडीपीएस का अपराध पंजीबद्ध हैं। गांजा तस्कर उड़ीसा से छत्तीसगढ़ के रास्ते ये गांजा लेकर आ रहें थे और जबलपुर रीवा मे सप्लाई करने जा रहें थे.।

इस संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन चैकिंग के दौरान जुहला ब्रिज के पास एक सफेद रंग की कार मारूती स्विफ्ट कार कटनी तरफ से आ रही थी. पुलिस को देखकर कार तेजी से जुहला ब्रिज की तरफ भागी तब संदेह होने पर पुलिस ने पूरी टीम के साथ पीछा किया। मारूती स्विफ्ट डिजायर कार झाड़ से टकरा गई जिसे तत्काल घेरा बंदी कर कार के ड्रायवर व पीछे बैठे व्यक्ति को भागने से पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कार को चैक करने पर डिग्गी से कवर को हटाकर देखने पर गाड़ी की डिग्गी में स्टेपनी रखने की जगह पर कुछ पैकेट मिले। मोहम्मद ताहिर पिता भोख मुन्ना उम्र 46 साल निवासी सुयाताल मुजावर मोहल्ला थाना गढ़ा जिला जबलपुर म.प्र.,नूर अली उर्फ नूरूलेन अली पिता दिल गार अहमद् उम्र 18 साल निवासी मंडी मदार टेकरी मुज्जी किराना स्टोर के पास थाना हनुमान ताल जिला जबलपुर म.प्र.दोनो व्यक्ति से पैकेट के संबंध में पूछने पर दोनो व्यक्तियों द्वारा पैकेट में गांजा होना बताया। गाड़ी को पुन: सघनता से चैक करने पर तीनो दरवाजो के प्लास्टिक के कवर हटाकर देखने पर दरवाजों के खाली जगहों पर भी ब्राउन टेप में लिपटे पैकेट मिले एवं और संघनता से वाहन की जॉच एवं आरोपियों से पूछताछ करने पर सीट और कार की डिग्गी में गुप्त चैम्बर का होना बताया गुप्त चेम्बर को पीछे की सीट हटाकर देखने पर उसके अंदर पैकेट मिले एवं सीट एवं कार जिनमें उक्त आरोपियो के द्वारा मादक पदार्थ गांजा होना बताया। सभी पैकिटो को निकलवाकर गिनने पर 74 छोटे बड़े पैकेट मिले अवैध मादक पदार्थ गांजा का कुल वजन 71 किलो 400 ग्राम कीमती लगभग 10 लाख 71 हजार रुपए एवं एक मारूती स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक स्क्क20ष्टक्क1254 कीमती लगभग 8 लाख रूपये जप्त किया गया। थाना ह्यद्ध में दोनों आरोपीयों मोहम्मद ताहिर पिता भोख मुन्ना उम्र 46 साल ,नूर अली उर्फ नूरूलेन अली पिता दिल गार अहमद् उम्र 18 साल दोनो के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्य मे थाना प्रभारी नीरज दुबे, सउनि केवल उईके, सउनि सहपाल परतेती प्र0आर0 प्रहलाद सैयाम, आरिफ हुसैन आर. अर्पित पटेल, विजय राणा, जयंत कोरी, आर.सुजीत रजक, प्रशांत विश्वकर्मा सहित अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कटनी रेलवे आउटर पर जीआरपीएफ पुलिसकर्मियों पर हमला

चार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जीआरपीएफ थाना क्षेत्र गायत्री नगर के रेलवे आउटर पर ड्यूटी पर तैनात दो जीआरपीएफ पुलिस कर्मियों पर चार बदमाशों ने लोहे की रॉड से हमला कर पथराव कर दिया, इस हमले में दोनो जीआरपी पुलिस कर्मियों को चोटें आई है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। वही चारों बदमाशों में से एक बदमाश जो ट्रेन में चढ़ रहा था वह ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है जिसे जीआरपी पुलिस ने अरेस्ट कर उसे भी जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। वही चारों बदमाशों की रेलवे आउटर में लगे सीसीटीवी कैमरे में तस्वीरें दिखाई दी है, ओर एक बदमाश तो कैमरा तोड़ते हुए दिखाई दिया है।

जीआरपी थाना प्रभारी एल पी कश्यप ने मीडिया कर्मियों से चर्चा के दौरान बताया कि प्रतिदिन की तरह दो जीआरपी पुलिस कर्मी श्याम बाबू यादव और सत्यदेव यादव गायत्री नगर रेलवे आउटर पर ड्यूटी कर रहे थे तभी प्रयागराज से आने वाली ट्रेन आउट पर रुक गई वही झाड़ियों में छिपे हुए 4 बदमाश ट्रेन में चढ़ने लगे जिन्हें देख ड्यूटी में तैनात जीआरपीएफ पुलिस कर्मी उन्हें रोकने का प्रयास किया तो चारों बदमाशों ने पथराव करते हुए एक जीआरपीएफ पुलिस कर्मी पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया वही दूर जाते हुए पथराव भी किया, इस हमले में दोनों जीआरपीएफ कर्मी श्याम बाबू यादव के सर पर गंभीर चोटे आई वही उनके साथ मौजूद सत्यदेव यादव को भी पथराव के चलते चोटें आई है जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। वही चारों बदमाशों में से एक बदमाश ट्रेन से उतरते वक्त गिर गया जिसे भी चोट आई है जिसे पुलिस ने अरेस्ट करते हुए इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, वही अन्य तीन आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस पूरे घटना क्रम में आउटर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चारों बदमाशो की तस्वीरें कैद हो गए है वही उनमें से एक बदमाश सीसीटीवी कैमरे को तोड़ते हुए भी दिखाई दिया है। जीआरपीएफ पुलिस ने सभी बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर अन्य तीन आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

फन फेयर में बड़ा हादसा

पेटिस मशीन में करंट से 3 साल के मासूम की मौत, जांच में जुटी पुलिस

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी के नई बस्ती संत नगर स्थित फास्ट स्टेप स्कूल का फन फेयर कार्यक्रम माधवनगर थाना से चंद कदम दूर स्थित जागृति पार्क में रखा गया था। इसी दौरान एक 3 साल के मासूम पेटिस की मशीन में फैले करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे की मौत होते ही पूरे पार्क में सनसनी फैल गई, वही मौके पर पहुंची माधवनगर की पुलिस ने तुरंत ही कार्यक्रम स्थल पर फैले करंट को बंद करा बच्चे को शव को जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम ग्रह में रखवा परिजनों के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक बच्चा छायांश साहू के चाचा संदीप साहू ने आरोप लगाते हुए बताया कि माधवनगर थाना क्षेत्र जागृति पार्क में पिछले 6 दिनों से नई बस्ती संत नगर स्थित फास्ट स्टेप स्कूल का फन फेयर कार्यक्रम चल रहा था, इस कार्यक्रम के छठवें दिन 3 साल के मासूम छायांश साहू अपनी बहन और भाई के कार्यक्रम को देखने अपनी पिता संजय साहू और मां के साथ जागृति पार्क पहुंचा था और अचानक 3 साल का छायांश साहू कार्यक्रम स्थल पर लगे पेटिस मशीन के पास पहुंचा और उसे छुते ही वह करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की है जो इस कार्यक्रम में लापरवाही बरती है। वही इस पूरे मामले में जब स्कूल प्रबंधन अन्नू लालवानी से बात करनी चाही कैमरा को देख कुछ भी कहने से बचते नज़र आए।

इस पूरे घटनाक्रम पर जब माधवनगर थाना के पुलिस अधिकारी दीपू कुशवाहा से बात की गई तो उनका कहना था कि जागृति पार्क में पिछले 6 दिनों से नई बस्ती संत नगर स्थित फास्ट स्टेप स्कूल का फन फेयर कार्यक्रम चल रहा था, इस कार्यक्रम के छठवें दिन 3 साल के मासूम छायांश साहू अपनी बहन और भाई के कार्यक्रम को देखने अपनी मां के साथ जागृति पार्क पहुंचा था और अचानक 3 साल का छायांश साहू कार्यक्रम स्थल पर लगे पेटिस मशीन के पास पहुंचा और उसे छुते ही वह करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। इस पूरे मामले में जागृति पार्क प्रबंधन और स्कूल प्रशासन से पूछताछ की जा रही है बारीकी से जांच की जा रही की पार्क में किसके द्वारा टेंट और पेटिस लगवाई गई थी और पूरे पार्क में बिजली का कौन रेख देख करता है और इस स्थान पर करंट कैसे पहुंचा इस पूरे मामले जांच किया जा रहा है और जो भी दोषी होंगा जल्द ही उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज किया जाएगा।

कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने दिया विवादित बयान

कहा..... भाजपा नेताओं के गुलाम अधिकारियों को RSS की चड्डी पहननी चाहिए

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी अल्प प्रवास पर पहुंचे कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का एक विवादित बयान सामने आया है। मीडिया से चर्चा करते हुए उमंग सिंघार ने यह बयान दिया कि, %भाजपा नेताओं के गुलाम अधिकारियों को ऋस्र की चड्डी पहननी चाहिए। उमंग सिंघार ने यह भी कहा कि अधिकारियों को जनता के लिए निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। वही सरकार के द्वारा जन कल्याण योजनाओं के बारे में उमंग सिंघार ने कहा कि, इस योजना से सिर्फ मंत्रियों का कल्याण हो रहा है और सोना भी निकल रहा है।

मध्य प्रदेश नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कटनी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला के घर मुलाकात करने पहुंचे थे। जहां उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि, कई भारतीय जनता पार्टी के गुलाम हो गए हैं। ऐसे अधिकारी जो भाजपा के नाम की माला जपते हैं उन्हें ऋस्र की चड्डी पहनना चाहिए ये जनता का काम तो कर नहीं रहे। जनता के लिए निष्पक्ष हो काम करना चाहिए वही उन्हें भाजपा का एजेंट न बनकर जनता का सेवक बनना चाहिए। वही पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल की सरकार के द्वारा जो जन कल्याण योजना चलाई जा रही है। इस पर उमंग सिंघार ने कहा कि इस योजना से सिर्फ मंत्रियों का कल्याण हो रहा है और सोना भी निकल रहा है। वही अंत में उमंग सिंघार ने कहा कि वे कटनी जिले के जनता को होने वाली समस्याओं को विधानसभा तक पहुंचाने के लिए कटनी अल्प प्रवास में पहुंचे है वही जो जिला कांग्रेस अध्यक्ष का रिक्त पद है उसे भी जल्द भर दिया जाएगा। कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मैहर दर्शन करने के लिए कटनी से निकल गए।

वित्तीय एवं सायबर ठगी से बचाव हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

राजीव खरे। सिटी चीफ (छग)रायपुर, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिए वित्तीय एवं सायबर ठगी से बचाव हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज रेडक्रास सोसायटी सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने महिलाओं को सायबर ठगी से सावधान रहने और जागरूक रहने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा, जब गलत काम नहीं किया है तो डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, लुभावने फोन कॉल्स से बचें और ऐसी घटनाओं की शिकायत नजदीकी थाने में करें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने पैसे के सदुपयोग के बारे में चर्चा की और इस पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। आरबीआई के प्रतिनिधि दिग्विजय राउत एलडीओ, आकाश सिंघल सहायक प्रबंधक आरबीआई और राज हाइत एलडीएम रायपुर ने सायबर ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इससे बचाव के उपायों के बारे में बताया। इसके अलावा, ठगी की घटना होने के बाद क्या कदम उठाने चाहिए, इस पर भी मार्गदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत

गठित सभी क्लस्टर संगठन के पदाधिकारी, कैडर, स्व सहायता समूह की महिलाएं और बिहान अमला भी उपस्थित था।

पीएमश्री योजना से बदली सरगुजा (अंबिकापुर) जिले के 10 विद्यालयों की तस्वीर

राजीव खरे। सिटी चीफ (छग) अंबिकापुर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पीएम श्री योजना के अंतर्गत शालाओं को चिन्हांकित कर मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में पीएमश्री योजना के माध्यम से शैक्षणिक अधोसंरचना एवं शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।योजनांतर्गत चयनित स्कूलों में पहले और अब में बड़ा परिवर्तन आया है, जिससे बच्चों में भी सुंदर वातावरण में पढ़ाई को लेकर नया उत्साह देखने को मिल रहा है। स्कूलों के रंग-रूप में बदलाव के साथ बच्चों के लिए सभी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान और गणित के लिए अत्याधुनिक लैब्स, खेल सुविधाएं, और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। जिले में भी ऐसे 10 विद्यालय हैं, जिनका पीएमश्री योजनांतर्गत चयन किया गया है।

चौथी कक्षा में पढ़ने वाली संतोषी को पढ़ने में आता है अब दुगुना मज़ापीएमश्री प्राथमिक शाला नगरपालिका के चौथी कक्षा में पढ़ने वाली संतोषी गुप्ता बताती हैं कि पहले हम सब जमीन में चटाई में बैठकर पढ़ते थे अब बेंच मिल गया है, बहुत अच्छा लगता है। पीने के लिए साफ पानी मिल रहा है, अब शौचालय भी साफ-सुथरा रहता है। स्कूल में अब सबकुछ अच्छा हो गया है। शनिवार को

हमें ड्राइंग सिखाया जाता है, उसके साथ ही नई-नई चीजें भी सिखने मिलती है। हमारी रुचि के अनुसार खेलकूद भी सिखाया जा रहा है। हम सब बहुत खुश हैं।

शिक्षा के साथ-साथ अन्य विधाओं का भी दिया जा रहा है प्रशिक्षण-पीएमश्री प्राथमिक शाला नगरपालिका की प्रधानपाठिका प्रतिभा सिंह ने बताया कि पीएमश्री विद्यालय के रूप में घोषित होने के बाद विद्यालय में सुविधाओं का विस्तार हुआ है। बच्चों के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कमी थी, वो सब अब दूर हुई हैं। भवन के रंग-रोगन, साफ-सफाई के साथ अन्य कार्य किए गए हैं। व्यवस्था दुरुस्त होने से बच्चों की पढ़ाई के प्रति रूचि भी जगी है। बच्चों के इंटरेस्टेट के अनुसार अन्य एक्टीविटी भी होती है। शनिवार को खेल होता है, ड्रॉइंग, क्राफ्ट का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हमें बहुत खुशी है कि पीएमश्री विद्यालय होने से बच्चों को ये सब सुविधाएं मिल रहीं हैं।

पहले स्कूल जाने के लिए मनाना पड़ता था, अब खुद से सुबह-सुबह तैयार हो जाते हैं बच्चे-अभिभावक अमृता सोनी कहती हैं कि उनके बच्चों का भविष्य अब अच्छा होगा। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे यहां कक्षा दूसरी और 6वीं में पढ़ते हैं, बच्चों को स्कूल भेजने के लिए बहुत मनाना पड़ता था। लेकिन अब वे स्वयं सुबह उठकर तैयार हो जाते हैं, उनका मन पढ़ाई-लिखाई में लग गया है। क्योंकि पहले बच्चे दरी में बैठते थे, अब यहां बच्चों के लिए बेंच डेस्क की व्यवस्था है। व्यवस्थाओं के साथ ही शिक्षा के स्तर में भी वृद्धि हुई है, मैं रोजाना पढ़ाए गए विषयों के नोटबुक देखती हूं। यहां पेरेंट्स टीचर मीटिंग का भी आयोजन हो रहा है, जिससे कक्षा में बच्चों के प्रदर्शन, व्यवहार आदि के बारे में बताया जाता है। यह सब पीएमश्री योजना की वजह से ही हो पाया है, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देती हूं।

ये स्कूल हैं शामिल-विकासखण्ड अम्बिकापुर में प्राथमिक शाला जुनापारा एवं प्राथमिक शाला नगरपालिका, विकासखण्ड बतौली में प्राथमिक शाला झरगंवा एवं स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतौली, विकासखण्ड लखनपुर में प्राथमिक शाला लहपटरा एवं स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम विद्यालय लखनपुर, विकासखण्ड लुण्ड्रा में प्राथमिक शाला कर्रा, विकासखण्ड मैनपाट में प्राथमिक शाला हर्रामार, विकासखण्ड सीतापुर में प्राथमिक शाला गेरसा, विकासखण्ड उदयपुर में प्राथमिक शाला सलका शामिल है। यहां 2889 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार का भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

गृह निर्माण मण्डल के दो अभियंताओं पर निलंबन की गिरी गाज

राजीव खरे। सिटी चीफ (छग)रायपुर, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है।निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी और प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता को सहन नहीं किया जाएगा। सुशासन के मद्देनजर शासकीय कार्यो में अनियमितता पाए जाने पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल जगदलपुर के कार्यपालन अभियंता सी. के. ठाकुर और सहायक अभियंता नीरज ठाकुर को निर्माण कार्य में अनियमितताएँ पाए जाने पर तत्काल निलंबित कर दिया गया है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी के निर्देश पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त कुंदन कुमार द्वारा कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता का निलंबन आदेश तथा जगदलपुर के गृह निर्माण मण्डल के निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार मेसर्स एन. के. कंस्ट्रक्शन दुर्ग को भी ब्लैकलिस्ट करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

गौरतलब है कि बीजापुर जिले के भैरमगढ़, भोपालपट्टम और उसूर (आवापल्ली) ब्लॉकों में जीएडी आवास भवनों के निर्माण कार्यों में मिली शिकायतों के बाद मुख्यालय स्तर पर जांच की गई। जांच में वित्तीय अनियमितताएं और कार्यों में विलंब पाया गया, जिसके बाद ठेकेदार मेसर्स एन. के. कंस्ट्रक्शन दुर्ग के पंजीयन को निरस्त करने नोटिस जारी किया गया है। यह भी खुलासा हुआ कि मेसर्स एन. के. कंस्ट्रक्शन को कार्य से अधिक राशि का आखिरी भुगतान पूर्ववर्ती सरकार के समय किया गया था। ठेकेदार को उस कार्य का भी भुगतान कर दिया गया था जो कार्य उसके द्वारा किया ही नहीं गया है।

हरीश गिरधर सेवा ट्रस्ट द्वारा शव को शमशान घाट ले जाने के लिए एक अंतिम यात्रा वाहन बनवाकर क्षेत्र को समर्पित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) देवबंद (सहारनपुर)। श्री हरीश गिरधर सेवा ट्रस्ट (रजि.) द्वारा शव को शमशान घाट ले जाने के लिए एक अंतिम यात्रा वाहन बनवाकर क्षेत्र को समर्पित किया गया। कैलाशपुरम कालोनी में आयोजित कार्यक्रम में पंडित भुवनेश्वर प्रसाद ने विधि-विधान व मंत्रोच्चारण के साथ नए अंतिम यात्रा वाहन का नारियल फोड़कर अभिषेक करते हुए वाहन के नगर व क्षेत्र के लिए मंगलकारी होने की प्रार्थना की। ट्रस्ट के महामंत्री हर्ष अरोड़ा व कोषाध्यक्ष सतीश गिरधर ने बताया कि नगर में चल रहे अंतिम यात्रा वाहन के पुराना हो जाने के कारण अंतिम यात्रा वाहन के हरिद्वार ले जाने में दिक्कत होती थी जिस कारण ट्रस्ट द्वारा नया अंतिम यात्रा वाहन बनवाकर नगर को समर्पित

किया है। पंजाबी समाज के संरक्षक सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि गिरधर परिवार द्वारा समाज की सेवा के लिए ट्रस्ट की स्थापना कर अंतिम यात्रा वाहन बनवाना पुनीत कार्य है जिसके लिए वे बधाई के पात्र है। इस दौरान ट्रस्ट संस्थापक आशीष कुमार, अध्यक्ष हेमंत गिरधर,श्याम लाल भारती, सुदामा माहेश्वरी, राकेश कपूर, मन्नी सब्बरवाल आदि मौजूद रहे।

जहाँ तक जाती है नजर...वहाँ आँखे जाती है ठहर...

बाँगो मिनीमाता जलाशय ..सिर्फ पहचान ही नहीं छत्तीसगढ़ की शान है..

राजीव खरे। सिटी चीफ (छग)
कोरबा, बांध हमारे राष्ट्रीय तीर्थ हैं। और यह बाँगो जलाशय है...जिसका अधिकृत नाम अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर मिनीमाता हसदेव बाँगो परियोजना है..। प्रकृति के सुरम्य वातावरण के बीच कई ऊंचे पर्वतों के आसपास जलमग्न इस नजारों को देखने यहाँ हर पर्यटकों की आँखों की पलके तब तक नहीं झपकती जब तक वह इस नयनाभिराम नजारों को अंतिम छोर तक नहीं देख लेता, हालांकि दूर-दूर तक कई किलोमीटर में फैला यह जलमग्न दृश्य हर किसी के आँखों में पूरी तरह से कैद नहीं हो पाता...क्योंकि उनकी नजरें जहाँ तक जा पाती है...पानी के ठहराव के बीच देखने वालों की आँखे भी वहीं तक ही ठहर जाती है। कोरबा जिले की पहचान और छत्तीसगढ़ की शान मिनीमाता हसदेव बाँगो जलाशय देखने वालों को रोमांचित ही नहीं करती..उन्हें अचंभित भी कर देती है। यहाँ आना और इन नजारों को करीब से देख पाना किसी सौभाग्य से कम नहीं, क्योंकि यह खूबसूरती की ही नहीं... लाखो लोगो की प्यास बुझाने के साथ किसानों के खेतो को हरा-भरा बनाकर उनके समृद्धि की भी पहचान है..।

कोरबा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के अंतर्गत मिनीमाता बाँगो जलाशय छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे बड़ा जलाशय की पहचान रखता है। जल संसाधन विभाग के मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना अंतर्गत कोरबा जिले में स्थित मिनीमाता बांगो बांध का निर्माण कार्य वर्ष 1992 में पूर्ण हुआ। यह बांध प्रदेश का सबसे अधिक जल भराव क्षमता एवं सबसे ऊँचा बांध है, इस बांध की जल भराव क्षमता 2894.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (लाइव स्टोरेज) एवं 3264.33 मिलियन क्यूबिक मीटर (ग्रास स्टोरेज) है साथ ही बांध का डूबान क्षेत्र 185 वर्ग किलोमीटर है, इस बांध की ऊंचाई नदी के तल से 73 मीटर एवं फाउंडेशन लेवल से 87 मीटर है। यह बांध तीन महत्वपूर्ण हिस्सों में बना है जो कि 1. रॉक फिल बांध 2. मेसनरी बांध 3. मिटटी बांध है, जिसमे से रॉक फिल बांध 177मीटर, मेसनरी बांध 554.5 मीटर एवं मिटटी बांध 1778 मीटर है। मिनीमाता बांगो बांध की कुल लम्बाई 2509.5 मीटर है। इस परियोजना में 6730 वर्ग किमी जलग्रहण क्षेत्र, बांध का उच्चतम स्तर 366 मीटर, अधिकतम जलाशय स्तर 363.08 मीटर, पूर्ण जलाशय स्तर 359.66 मीटर है। वर्तमान में बांध की सुरक्षा के लिए विभिन्न जटिल कार्यों को सम्बद्ध किया गया है। यहां बांध के सुरक्षा के लिए जवान लगातार तैनात है और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। इस बांध और आसपास के सुंदर नजारों को निहारने के लिए कोरबा जिला ही नहीं अन्य जिले के लोग भी निरन्तर यहां आते हैं। कोरिया जिले के परमानंद दास, सुशीला सिंह, माया सिंह ने बांगो बांध का नाम सुना था। उन्हें इस बांध को करीब से देखने की इच्छा थी। यहां आकर जब बांध को देखा तो उन्हें दूर-दूर तक पानी का ऐसा नजारा दिखा जैसे कोई नीला आकाश है। उन्होंने बताया कि वाकई में बांगो बांध

को करीब से देख लेना सौभाग्य की बात है। हम लोग कब से योजना बना रहे थे, आज यहां आकर नदी- पहाड़ सब को पास से देखा।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर तीन दिवसीय अरुणाचल प्रदेश प्रवास पर

धार

केंद्रीय राज्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगी

धार। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने अरुणाचल प्रदेश तीन दिवसीय प्रवास के दौरान प्रथम दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, दोनों नेताओं ने महिलाओं के उत्थान एवं बाल विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। यहां उल्लेखनीय है कि श्रीमती ठाकुर दिनांक 18 से 20 जनवरी तक अरुणाचल प्रदेश के प्रवास पर हैं इस दौरान वे वहां के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगी।

श्रीमती ठाकुर जी ने अरुणाचल प्रदेश में महिलाओं

और बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की और राज्यसरकार को इन कार्यक्रमों को और मजबूत बनाने के लिए पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को प्राप्त हो और 2047 तक भारत एक विकसित भारत के रूप में विश्व पटल पर उभर कर आए ऐसा हम सभी का प्रयास है। इस मुलाकात के दौरान, श्री खांडू ने अरुणाचल प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया और श्रीमती ठाकुर जी से सहयोग की अपेक्षा की। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

स्वामित्व योजना तहत जिले के 39448 हितग्राहियों को सम्पत्ति कार्ड का वितरण

विदिशा

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत जिले की 201 ग्राम पंचायतो के अंतर्गत 287 ग्रामो के 39448 हितग्राही, परिवारजनों को सम्पत्ति कार्डो का वितरण जनप्रतिनिधियों के द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्थलों पर किया गया है। एनआईसी के व्हीसी कक्ष में विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतीक स्वरूप 11 हितग्राहियों को सम्पत्ति कार्ड का वितरण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न राज्यों में लाभांवित होने वाले हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद किया और उन्हें सम्बोधित किया है। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुनने के प्रबंध जिले में आयोजित कार्यक्रम स्थलों पर सुनिश्चित किए गए थे। गौरतलब हो कि स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि पर 25 सितम्बर 2018 के पूर्व निवासरत व्यक्तियों को अधिकार अभिलेख प्रदान करने की योजना है उक्त योजना सात जुलाई 2020 से प्रारंभ हुई है। योजना के तहत प्राप्त अधिकार अभिलेखो का उपयोग हितग्राहियों द्वारा बैक से ऋण सम्पत्ति को बंधक रखने तथा सम्पत्ति को विक्रय करने में किया जा सकता है। जिले में कुल आबादी क्षेत्रो में सर्वेक्षित निजी सम्पत्तियों की संख्या लगभग एक लाख 91 हजार अनुमानित है। इसमें से लगभग अब तक एक लाख 64 हजार निजी सम्पत्तियों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जिले में ड्रोन सर्वेक्षण कार्य भी शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में आनंद उत्सव आयोजित

सीहोर

कलेक्टर सहित जिलाधिकारियों, नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में लिया भाग

हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखते हैं आनंद उत्सव जैसे कार्यक्रम- कलेक्टर श्री सिंह

आनंद उत्सव जैसे आयोजनों से आपसी सहयोग और एकता को बढ़ावा मिलता है - कलेक्टर श्री सिंह

सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में हर्षोल्लास के साथ जिला एवं विकासखंड स्तरीय आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह सहित सभी जिलाधिकारियों, शिक्षकों, बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आनंद उत्सव के अंतर्गत सितोलिया, गोलाफेंक, रस्सी कूद, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, क्रिकेट, टेबल टेनिस, फुटबॉल, कबड्डी, व्हॉलीबॉल और शतरंज जैसे खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों में प्रतिभागियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि सामूहिकता और खेल भावना का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। खेल गतिविधियों में भाग लेने के साथ ही कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह और सभी जिलाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि यह आनंद उत्सव हर्षोल्लास और सहयोग का अद्भुत संगम है, ऐसे कार्यक्रमों से नागरिकों में सामूहिकता और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है तथा इन कार्यक्रमों में बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिक भी भाग लेते हैं, जिससे एकता की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखते हैं, बल्कि नागरिकों में आपसी सामंजस्य और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के तहत आयोजित गतिविधियों में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री नितिन टाले, संयुक्त कलेक्टर श्री आनंद सिंह राजावत और डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह सहित सभी जिलाधिकारियों-कर्मचारियों, शिक्षकों, बच्चों, युवाओं एवं नागरिकों ने भाग लिया।

स्वसहायता समूह की महिलाओं ने लगाया स्वादिष्ट व्यंजनों का स्टॉल आनंद उत्सव में कार्यक्रम स्थल पर स्वसहायता समूह की दीदियों ने परंपरागत स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए, जो उत्सव का विशेष आकर्षण रहे। इन स्टॉल्स पर स्थानीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। सभी ने स्वसहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए परंपरागत स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लिया।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले के उपार्जन केंद्रों का किया जा रहा सतत निरीक्षण

सीधी

मृतक श्रमिक के परिजन को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई

20 उपार्जन केंद्रों के प्रभारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

जिले के धान उपार्जन केंद्र बमुरी में दुर्घटना में मृतक श्रमिक श्री पंचू महतो के निकटतम परिजन को रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं तथा सभी उपार्जन केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया है कि जिले में इस प्रकार की दुर्घटनाएं नहीं हो इसके लिए आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करें। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के सभी 42 उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण राजस्व विभाग के उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहकारिता विभाग के सहकारिता निरीक्षक, खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तथा उपायुक्त सहकारिता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी केंद्रीय सहकारी बैंक, वेयरहाउसिंग के प्रबंधक के द्वारा किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर 20 उपार्जन केंद्रों द्वारा उपार्जन नीति अनुसार कार्य नहीं किए जाने के कारण संबंधित उपार्जन केंद्र के प्रभारी, ऑपरेटर एवं सर्वेयर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। जिला स्तर पर उपार्जन से संबंधित शिकायतों के निराकरण एवं गुणवत्ता आदि के परीक्षण के लिए जिलास्तरीय समिति का गठन किया गया है। साथ ही खंड स्तर पर उपखण्ड अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में खण्डस्तरीय समिति का गठन किया गया है। जिले के स्व सहायता समूह द्वारा संचालित 4 उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण हेतु राजस्व विभाग के तहसीलदार, नायब तहसीलदार की ड्यूटी नोडल अधिकारी के रूप में लगाई गई है। मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जित धान का सुरक्षित भंडारण एवं शीघ्रता से परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपार्जन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का सकारात्मक रूप से निराकरण करें- कलेक्टर

सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा बैठक संपन्न

मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न विभागों में लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी 2 दिवस में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उनका सकारात्मक रूप से निराकरण करें। सभी विभाग ग्रेडिंग सुधारने का प्रयास करें। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यकतानुसार आवेदकों से चर्चा करें तथा उन्हें शासन के नियम निर्देशों तथा पात्रता से अवगत कराएं। 50 दिवस से अधिक समय से लम्बित प्रकरणों पर फोकस करें। योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद सिहं, संयुक्त कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामित्व योजना

प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश के 15 लाख 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत ई-वितरण कार्यक्रम में सम्पत्ति कार्ड का किया गया वितरण

गुना

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज सिंगल क्लिक के माध्यम से स्वामित्व योजना के अंतर्गत देशभर के 50,000 से अधिक गांवों के 65 लाख प्रॉपर्टी कार्डों का वितरण किया। कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के लगभग 15.63 लाख नागरिकों को भू-अधिकार पत्र प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रधानमंत्री जी ने योजना के लाभार्थी कार्ड-धारकों के साथ वर्चुअल संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आज आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस दौरान उपस्थित कृषकों को प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा ई-वितरण एवं लाभार्थी कार्ड धारकों के साथ वर्चुअल

संवाद का प्रसारण दिखाया गया। डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा ने बताया कि स्वामित्व योजना अंतर्गत गुना जिले के कुल 1003 ग्रामों में ड्रोन फ्लाई कराया जाकर आज दिनांक तक कुल 794 ग्रामों के अंतर्गत कुल 55,823 आबादी भू-खण्डों का अधिकार अभिलेख तैयार किया जा चुका है, शेष 209 ग्रामों में विभिन्न स्तर पर सतत् कार्यवाही प्रचलित है। मार्च 2024 से आज दिनांक तक कुल 317 ग्रामों में कुल 26,192 आबादी भू-खण्डों का भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख तैयार किया जा चुका है। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रतीक स्वरूप कृषकों को सम्पत्ति कार्ड वितरित किये गये। आज आयोजित कार्यक्रम का ग्राम एवं जनपद स्तर भी प्रसारण दिखाया गया। आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति सविता अरविन्द्र गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि श्री हरिसिंह यादव, श्री सुमेर सिंह गढ़ा, कलसिंह पटेलिया एवं अशोक शर्मा तथा श्री सूर्यकांत जगताप, श्री रमेश मालवीय एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा, अनुविभागीय अधिकारी गुना श्रीमति शिवानी पाण्डेय, तहसीलदार श्री जीएस बैरवा, श्री कमल मण्डेलिया, नायब तहसीलदार श्री एमएल पंथी, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री कृष्णकांत चौबे, राजस्व विभाग के अधिकारी/कर्मचारी तथा हितग्राही उपस्थित रहे।

प्रदेश में स्वामित्व योजना में 88 प्रतिशत कार्य पूर्ण स्वामित्व योजना प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि पर (25 सितम्बर, 2018 के पूर्व) निवासरत व्यक्तियों को अधिकार अभिलेख प्रदान करने की योजना है। इसका प्रारंभ 7 जुलाई, 2020 को किया गया। योजना अंतर्गत प्राप्त अधिकार अभिलेखों का प्रयोग हितग्राहियों द्वारा बैंक से ऋण, सम्पति को बंधक रखने तथा सम्पति को विक्रय करने में किया जा सकता है। प्रदेश में कुल आबादी क्षेत्रों में सर्वेक्षित निजी सम्पतियों की संख्या लगभग 45.60 लाख अनुमानित है। इसमें से लगभग 39.63 लाख निजी सम्पतियों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 88 प्रतिशत है। अभी तक अधिकार अभिलेख वितरण के कार्यक्रम में 24 लाख निजी अधिकार अभिलेखों का वितरण किया जा चुका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 18 जनवरी को 15.63 लाख से अधिक हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख (ई-सम्पत्ति कार्ड) वितरित किये गये।

कुंदनपुर में आयोजित होगा ,जिला पत्रकार संघ का महा सम्मेलन

जिला पत्रकार संघ की कुंदनपुर इकाई द्वारा किया जा रहा है आयोजन

झाबुआ जिले की पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय श्री यशवंत घोड़ावत की 11 वी पुण्यतिथि के अवसर पर जिला पत्रकार संघ झाबुआ की इकाई पत्रकार संघ कुंदनपुर द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं पत्रकारों के महासम्मेलन का आयोजन 20 जनवरी सोमवार को जिले के ग्राम कुंदनपुर में किया जाएगा । जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राजेश सोनी , महासचिव अक्षय भट्ट एवम कुंदनपुर पत्रकार संघ अध्यक्ष राधेश्याम परिहार ने बताया कि आयोजन में अथिति के रूप में धार के वरिष्ठ पत्रकार प.छोटू शास्त्री, प्रख्यात कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी, कोदण्ड गर्जना न्यूज़ पेपर की चीफ एडिटर सुश्री शीतल राय, रतलाम से दैनिक स्वत्रंत एलान के प्रबंध सम्पादक रमेश सोनी, प्रेस रिपोर्टर सुश्री अदिति मिश्रा, झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे । विशेष अतिथि के रूप में कुंदनपुर पुलिस चौकी प्रभारी दीपक देवरे, स्थानीय समाजसेवी निहालचंद पड़ियार व मदनलाल पांचाल आयोजन में उपस्थित होंगे। जिला पत्रकार संघ के संरक्षक मनोज चतुर्वेदी, हरिशंकर पंवार, संजय भटेवरा, ठा निर्भय सिंह ने बताया कि आयोजन में स्वर्गीय श्री घोड़ावत जी को श्रद्धांजलि देने के साथ वर्तमान दौर की पत्रकारिता की दिशा पर विमर्श होगा । इसके साथ ही सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान (जो मरणोपरांत आजीवन पत्रकारिता करने वाले पत्रकार के परिजनों को दिया जाएगा) , आजीवन प्रखर पत्रकारिता व उदयमान पत्रकारिता पुरस्कार भी होगा । इस वर्ष से स्व श्री महेशचंद्र जी जानी की स्मृति में सर्वकालिक सक्रिय पत्रकार पुरूस्कार भी दिया जाएगा। क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों एवम सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालो का सम्मान किया जाएगा । कार्यक्रम 20 जनवरी सोमवार को श्री विष्णु विद्या विहार स्कूल कुंदनपुर में प्रात 11 बजे से आयोजित होगा ।आयोजन समिति के गोविंदसिंह ठाकुर, केशवसिह ठाकुर,अन्तिमसिह ठाकुर ,कृष्ण पालसिंह ठाकुर ने सभी पत्रकार साथियों से आयोजन में पधारने हेतु निवेदन किया है।

भारतीय जनता पार्टी की नव नियुक्त जिला अध्यक्ष को दी बधाई

खरगोन भारतीय जनता पार्टी की नव नियुक्त जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्ममने को समाजसेवी ठाकुर हेमेंद्र सिंह सोलंकी (फौजी दरबार) कसरावद एवं साथी मित्र राहुल सिंह, प्रेम सिंह , धर्मेंद्र राणा, दीपक सिंह , धर्मेंद्र सिंह तवर, सभी ने पुष्प गुच्छ प्रदान करके शुभकामनाएं प्रेषित की।

ड्राइवर ने संयम से जीता दिल

7 मिनट देर होने पर महिला ने कैब ड्राइवर को दीं गालियां व उस पर थूका

नेशनल डेस्क. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला कैब ड्राइवर को सिर्फ 7 मिनट की देरी होने पर गालियां देती हुई नजर आ रही है। महिला का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उसने ड्राइवर को धमकाया और यहां तक कि उस पर थूक भी दिया। हालांकि, ड्राइवर ने बिना गुस्सा किए और शांतिपूर्वक उसका सामना किया, जिससे उसे सोशल मीडिया पर सराहना मिली है। वीडियो में दिखाया गया है कि महिला ने ड्राइवर को गाली देते हुए और उसे धमकाते हुए कहा कि वह 7 मिनट देर से आया है। महिला का गुस्सा इस हद तक बढ़ गया कि उसने ड्राइवर पर थूका भी। वह न केवल हिंदी में गालियां दे रही थी, बल्कि अंग्रेजी में भी उसे अपमानित कर रही थी। महिला का गुस्सा इतनी बुरी तरह से फूटा कि वह ड्राइवर से कह रही थी कि तू है कौन और उसके परिवार को भी गालियां दीं। हालांकि, ड्राइवर ने इस गुस्से का कोई प्रतिवाद नहीं किया। उसने अपने संयम को बनाए रखते हुए महिला से कहा कि वह कैब कंपनी में शिकायत कर सकती है, क्योंकि ट्रैफिक के कारण उसे देरी हुई थी। जब महिला का गुस्सा शांत नहीं हुआ, तो ड्राइवर ने उसे कैब छोड़कर दूसरी गाड़ी बुक करने के लिए कहा। उसकी शांति और संयम ने सबका दिल जीत लिया, और उसे सोशल मीडिया पर तारीफें मिलनी शुरू हो गईं।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर काफी गुस्सा व्यक्त किया गया। कई यूजर्स ने महिला की हरकत की आलोचना की और कहा कि ऐसे व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, यह महिला इतनी छोटी सी बात पर ड्राइवर को गालियां दे रही है, जबकि वह सिर्फ सात मिनट देर से आया था। वहीं, अन्य यूजर्स ने कहा कि महिला को सभी राइड-शेयरिंग ऐप्स से प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए। कुछ लोगों ने ड्राइवर की प्रशंसा भी की और कहा कि उसने इस अपमानजनक व्यवहार को संयम से संभाला। एक यूजर ने लिखा, अगर ड्राइवर गुस्से में आता, तो पूरी स्थिति और भी खराब हो सकती थी। उसने जो शांति दिखाई, वह काबिल-ए-तारीफ है।

महाकुंभ के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेला कौन सा, जानें उस मेले की ख़ासियत

इंटरनेशनल डेस्क. हमारे देश में महाकुंभ का आयोजन दुनिया के सबसे बड़े मेलों में से एक माना जाता है।

लेकिन महाकुंभ के बाद अगर किसी मेला का नाम लिया जाता है, तो वह है म्यूनिख, जर्मनी में होने वाला ओक्टेबरफेस्ट। यह आयोजन एक बीयर फेस्टिवल के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन अब इसमें यात्रियों के लिए मनोरंजन, विभिन्न राइड्स और पारंपरिक खाद्य पदार्थों का समागम भी होता है। हर साल सितंबर के मध्य से अक्टूबर के पहले रविवार तक यह भव्य आयोजन आयोजित किया जाता है।

कब से हो रहा है ओक्टेबरफेस्ट?

ओक्टेबरफेस्ट का इतिहास साल 1810 में शुरू हुआ था, जब यह म्यूनिख के शाही परिवार के एक शादी के जश्न के रूप में आयोजित हुआ था। तब से यह मेला हर साल आयोजित किया जाता है और समय के साथ इसका आकार भी बढ़ता गया है। यह मेला अब सिर्फ जर्मनी के लोगों के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से आने वाले पर्यटकों के लिए एक आकर्षण बन चुका है।

7 मिलियन से अधिक आगंतुकों की मौजूदगी

ओक्टेबरफेस्ट के दौरान लगभग 7 मिलियन से अधिक लोग म्यूनिख में आते हैं। इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय यात्री होते हैं, जबकि कुछ जर्मन भी इस त्योहार का हिस्सा बनते हैं। हर साल, लाखों लोग इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए म्यूनिख आते हैं और यहां के शानदार माहौल का आनंद लेते हैं।

बीयर ओक्टेबरफेस्ट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। साल 2014 में इस फेस्टिवल में 7.7 मिलियन लीटर बीयर परोसा गया था। म्यूनिख में स्थित विभिन्न बीयर टेंट्स में लोग एक-दूसरे के साथ बीयर का आनंद लेते हैं और साथ ही साथ जर्मन संस्कृति का अनुभव करते हैं। यह बीयर पारंपरिक बवेरियन बीयर होती है, जो खास तरीके से तैयार की जाती है और केवल इस आयोजन के लिए उपलब्ध होती है।

मनोरंजन, राइड्स और खेल का आनंद

फेस्टिवल में बीयर के अलावा बहुत सारी दूसरी आकर्षण भी होती हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार की सवारी, साइड स्टॉल्स, खेल और अन्य गतिविधियां होती हैं, जिन्हें लोग बहुत पसंद करते हैं। बच्चों के लिए विशेष रूप से अलग से खेल और राइड्स की व्यवस्था की जाती है, ताकि वे भी इस उत्सव का आनंद उठा सकें।

पारंपरिक जर्मन खाद्य पदार्थों का स्वाद

ओक्टेबरफेस्ट में पारंपरिक जर्मन खाद्य पदार्थों की एक लंबी सूची होती है। यहां पर लोग सॉसेज, प्रेट्ज़ेल्स, और अन्य बवेरियन डिशेज का स्वाद लेते हैं। यह एक प्रकार से जर्मन खाने की संस्कृति का अनुभव करने का बेहतरीन मौका होता है।

ओक्टेबरफेस्ट का महत्व क्या है?

ओक्टेबरफेस्ट सिर्फ एक फेस्टिवल नहीं है, बल्कि यह जर्मन संस्कृति का अहम हिस्सा बन चुका है। यह आयोजन म्यूनिख की पहचान बन चुका है और पूरी दुनिया में इसकी पहचान बन चुकी है। यहां आने वाले पर्यटक न केवल बीयर का स्वाद लेते हैं, बल्कि वे जर्मन संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का भी अनुभव करते हैं। ओक्टेबरफेस्ट पहले केवल अक्टूबर के पहले रविवार तक मनाया जाता था, लेकिन साल 1994 में इसे संशोधित किया गया। अब, अगर अक्टूबर का पहला रविवार 1 या 2 तारीख को पड़ता है, तो यह मेला 3 अक्टूबर (जर्मन एकता दिवस) तक जारी रहता है। इस प्रकार अब यह उत्सव 17 से 18 दिनों तक चलता है, और इसमें करीब 6 मिलियन से ज्यादा लोग हिस्सा लेते हैं।

दुनिया भर में ओक्टेबरफेस्ट की लोकप्रियता

म्यूनिख में होने वाला ओक्टेबरफेस्ट अब सिर्फ जर्मनी का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का सबसे बड़ा बीयर फेस्टिवल बन चुका है। इस उत्सव के अनुभव को कई अन्य शहरों ने भी अपनाया है और दुनिया भर में ओक्टेबरफेस्ट समारोह आयोजित किए जाते हैं। ओक्टेबरफेस्ट न केवल एक बीयर फेस्टिवल है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, जो दुनिया भर के लोगों को एक साथ लाता है। अगर आप भी कभी जर्मनी जाएं, तो इस महोत्सव का हिस्सा बनना न भूलें।

शपथ ग्रहण समारोह से पहले ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग हजारों लोग, वाशिंगटन में किया प्रदर्शन

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से दो दिन पहले हजारों लोग राजधानी वाशिंगटन डीसी में एकत्र हुए और उनकी नीतियों का विरोध किया। ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेंगे। सखी फॉर साउथ एशियन सर्वाइवर्स समेत गैर-लाभकारी निकायों के एक समूह ने 'पीपुल्स मार्च के बैनर तले यहां ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ट्रंप (78) रोधी पोस्ट दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अगले राष्ट्रपति और टेस्ला के मालिक एलन मस्क समेत उनके करीबी समर्थकों के खिलाफ नारे लगाए। जनवरी 2017 में ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के समय भी ऐसा ही एक विरोध प्रदर्शन हुआ था। तीन अलग-अलग पार्कों से शुरू हुए विरोध मार्च लिंकन मेमोरियल के निकट समाप्त हुए। पीपुल्स मार्च की तरफ से कहा गया, सामूहिक विरोध प्रदर्शन हमारे समुदायों को यह दिखाने का सबसे प्रभावी तरीका है कि हम पहले से ही नतमस्तक नहीं हैं या फासीवाद के आगे नहीं झुक रहे हैं।

हम उन्हें भी ऐसा करने के लिए आमंत्रित करते हैं। समूह के सदस्यों में अबॉर्शन एक्शन नाउ, टाइम टू एक्ट, सिस्टरसॉन्ग, विमेंस मार्च, पॉपुलर डेमोक्रेसी इन एक्शन, हैरियट्स वाइल्डेस्ट ड्रीम्स, द फेमिनिस्ट फ्रंट, नाउ, प्लांड पैरेंटहुड, नेशनल विमेंस लॉ सेंटर एक्शन फंड, सिएरा क्लब और फ्रंटलाइन शामिल हैं। एक प्रदर्शनकारी ब्रिटनी मार्टिनेज ने 'यूएसए टुडे से कहा, हम वास्तव में महिलाओं, समानता, आव्रजन, हर उस चीज का समर्थन करते हैं जिसके बारे में हमें लगता है कि अभी हमारे पास यादा कहने को कुछ नहीं है।

कर्ज में डूबे आदमी ने उठाया खौफनाक कदम, पहले पत्नी और बेटे को दिया जहर, फिर की आत्महत्या करने की कोशिश

नेशनल डेस्क. पुणे के चिखली इलाके से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक 45 साल के व्यक्ति ने कर्ज के भारी दबाव में अपनी 36 साल की पत्नी और 9 साल के बेटे को ज़हर देकर मार डाला और खुद आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस की समय पर कार्रवाई से व्यक्ति की जान बचा ली गई और अब उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

क्या है मामला?

पिंपरी चिंचवड़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शनिवार की सुबह इस व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे को नींद की गोलियां दीं। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने अपने फ्लैट में छत के पंखे से फांसी लगाने की कोशिश की। इस घटना का पता उस वक्त चला, जब आरोपी के बड़े भाई ने पड़ोसियों को बुलाया। उन्होंने देखा कि दरवाजा बंद है, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। वहां उन्होंने महिला और बच्चे को मृत पाया, जबकि व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां अब उसका इलाज चल रहा है।

जांच में पता चला है कि व्यक्ति ने 10ल की भारी मासिक ब्याज दर पर दो अलग-अलग साहूकारों से क्रमश: 6 लाख और 2 लाख रुपए का कर्ज लिया था। इसके बाद उसने एक अन्य साहूकार से भी 4 लाख रुपए उधार लिए। व्यक्ति ने मूल कर्ज के साथ-साथ 9 लाख रुपए अतिरिक्त चुका दिए थे। इसके बावजूद साहूकार उसे और अधिक भुगतान के लिए लगातार परेशान कर रहे थे। इस मामले में चिखली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन लोगों पर मामला दर्ज हुआ है। उनकी पहचान संतोष कदम, सुरेखा कदम, संतोष पवार और जावेद खान के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि इन साहूकारों द्वारा किए गए उत्पीड़न ने व्यक्ति को इतना मजबूर कर दिया कि उसने यह घातक कदम उठाया।

अस्पताल में चल रहा इलाज

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति की हालत अब स्थिर है। उसका इलाज चिखली इलाके के एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपी व्यक्ति से पूछताछ की जाएगी ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

परिवार को न्याय दिलाने की कोशिश

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 卐इस दुखद घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

ईरान में व्यक्ति ने 2 प्रमुख कट्टरपंथी जजों की गोली मारकर की हत्या

हमलावर ने खुद भी जान दी

इंटरनेशनल डेस्क. ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को एक व्यक्ति ने दो प्रमुख कट्टरपंथी न्यायाधीशों की गोली मारकर हत्या कर दी। सरकारी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली। देश में न्यायपालिका पर यह दुर्लभ हमला है। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना ने बताया कि इस गोलीबारी में न्यायाधीश मौलवी मोहम्मद मोगीसेह और न्यायाधीश अली रजिनी की मौत हो गई।'

इरना के मुताबिक, इस हमले में एक न्यायाधीश का अंगरक्षक भी घायल हो गया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, बाद में हमलावर ने खुद को भी गोली मारकर अपनी जान दे दी। न्यायाधीश रजिनी की 1999 में हत्या करने की कोशिश की गयी थी, लेकिन वह प्रयास विफल रहा था। दोनों ही न्यायाधीश कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने और उन्हें कठोर सजा देने के लिये जाने जाते थे।

ईरानी अधिकारियों ने कहा कि एक आदमी ने तेहरान में दो प्रमुख हार्ड-लाइन जजों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इन दोनों जजों पर 1988 में विरोधियों के सामूहिक निष्कासन में भाग लेने का आरोप था। शनिवार को हुई इस गोलीबारी की जिम्मेदारी लेने वाला कोई समूह सामने नहीं आया। दोनों जज ईरान के सुप्रीम कोर्ट में सेवा दे रहे थे।

राहुल गांधी और इंडी के लोग अस्थिर गठबंधन के नेता

विजय सिन्हा का आरोप- मूड के हिसाब से बदलते हैं किरदार

पटना. बिहार के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और इंडी के लोग अस्थिर गठबंधन के अस्थिर चित्त के नेता हैं, जो मूड के हिसाब से किरदार बदलते हैं।

जब तक इनके परिवार का शासन रहा तब तक...

सिन्हा ने शनिवार को कहा कि राहुल और इंडी के लोग अस्थिर गठबंधन के अस्थिर चित्त के नेता हैं, जो मूड के हिसाब से किरदार बदलते हैं और उसी किरदार के अनुरूप निर्णय लेते हैं। जब उत्तर भारत में चुनाव होता है तो दक्षिण भारत घूमते हैं, जब दक्षिण भारत में चुनाव होता है उत्तरपूर्व की यात्रा पर निकलते हैं। अभी दिल्ली में चुनाव है तो बिहार घूम रहे हैं। ताजुब की बात तो यह है कि बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों में इनके सहयोगी विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन के वजूद से इनकार करते और राहुल कार्यकर्ताओं से इंडी गठबंधन को जिताने की अपील करते हैं। सिन्हा ने कहा कि आज ये हाथ में संविधान लहरा कर संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन देश की जनता को याद है कि इनके पूर्वजों और इनके परिवार ने हमारे संविधान निर्माता ?पूजनीय बाबासाहेब अंबेडकर के साथ क्या बर्ताव किया था। पहले उनको चुनाव लड़ने नहीं देना चाहते थे, जब निर्दलीय चुनाव जीत कर आए तो उनके निर्वाचन क्षेत्र के बड़े हिस्से को पाकिस्तान को सुपुर्द कर दिया। बाद में उन्हें इतना हतोत्साहित किया गया कि उन्हें अंततः मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा। जब तक इनके परिवार का शासन रहा बाबासाहेब को सम्मान देना भी उचित नहीं समझा। न संसद में उनकी तस्वीर लगाई और न ही भारतरत्न दिया। बाबासाहेब को यह सम्मान भी भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की पहल पर मिला।

राहुल और उनका परिवार हमेशा सामाजिक न्याय का विरोधी रहा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही बाबासाहेब से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। राहुल और उनका परिवार हमेशा सामाजिक न्याय का विरोधी रहा है। इन्होंने मंडल आयोग को रिपोर्ट को दबा कर रखा। पिछड़ा अतिपिछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित रखा ।पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। ये सारे काम भाजपा और भाजपा से जुड़े गठबंधन के दौर में हुए। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि हमारा गठबंधन हमेशा नेता और नीति पर आधारित' नेचुरल गठबंधनरहा है

बिहार में कांग्रेस खुद मिट्टी में मिल गइ

सिन्हा ने कहा आज कि राहुल को बिहार की सुध आई है। यहां की शिक्षा व्यवस्था और श्रम संसाधनों की चिंता हो रही है, जबकि करीब 50 साल कांग्रेस और उनके समर्थित गठबंधन की यहां सरकार रही है, तब तो इन्होंने लालू प्रसाद जैसे भ्रष्टाचार के पुरोधा को गोद में बिठाना जायज समझा। बिहार में कांग्रेस खुद मिट्टी में मिल गई लेकिन भ्रष्टाचार के अग्रदूतों का दामन आज तक नहीं छोड़ पाई। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव में राहुल और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के रिपोर्टकार्ड में एक और असफलता दर्ज होने जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)को फिर से प्रचंड जनादेश मिलने जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569